सी.बी.एस.ई.
हल प्रश्न-पत्र-2025
हिन्दी 'ब'
कक्षा-10th
(Delhi & Outside Delhi Sets)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश:—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए:

(*i*) *इस प्रश्न-पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(*ii*) *इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं—**क, ख, ग,** और **घ।***

(*iii*) ***खंड-क** में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।*

(*iv*) ***खंड-ख** में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।*

(*v*) ***खंड-ग** पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।*

(*vi*) ***खंड-घ** रचनात्मक लेखन पर आधारित है, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।*

(*vii*) *यथासंभव सभी खंडों प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए।*

(*viii*) *यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए।*

Delhi Set-1 | **कोड-4/4/1**

खंड –'क'
(अपठित गद्यांश)

14 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 7

रंगमंच की दुनिया में मोबाइल थियेटर अबूझा नाम नहीं और असम में तो ये मनोरंजन का दूसरा नाम है। देश ही नहीं दुनिया भर में अपनी तरह का अनोखा, चलता-फिरता रंगमंच जो खाना खानाबदोश ज़िंदगी जीता है। जिसका आज यहाँ ठौर, तो कल वहाँ ठिकाना इसलिए इसे भ्रमण थियेटर भी कहते हैं।

असम में फ़िल्मों से ज़्यादा मोबाइल थियेटर लोकप्रिय हैं। असम के लेखकों और कलाकारों के लिए ये थियेटर किसी संजीवनी से कुछ कम नहीं हैं। ट्रकों पर खाने-पीने से लेकर स्टेज, कुर्सी, पोशाक, तकनीकी उपकरणों समेत सारे सामानों से लदकर ये आठ से नौ महीनों तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में लगातार प्रदर्शन करते हैं। रूपरेखा भले ही नाटक की हो, पर इसका स्टाइल पूरा फ़िल्मी हैं। फ़िल्मों की तरह इन थियेटरों में दिखाए जाने वाले नाटकों का भी बैनर, पोस्टर लगाकर खूब प्रचार होता है। थियेटर शब्द सुनकर आमतौर पर गंभीर विषयवस्तु और श्वेत-श्याम स्टेज के नाटकों का खाका मस्तिष्क में उभरता है। ये घुमक्कड़ रंगमंच मंचन भले ही नाटकों का करते हैं, लेकिन इनमें पटकथा से लेकर नाच-गाना, एक्शन, इमोशन हर तरह का फ़िल्मी मसाला होता है। अभिनय और प्रस्तुति के मामले में यहाँ मनोरंजन से कोई समझौता नहीं होता।

टी.वी., केबल चैनलों और नई तकनीकों का इसके बाज़ार पर भी असर पड़ा है। बाज़ार और तकनीकी चहलकदमी ने इसका रूप ही नहीं रुख भी बदल दिया है लेकिन फिर भी इंटरनेट की तकनीकी आँधी इसके तंबू को उखाड़ नहीं पाई है। इसकी वजह है इसकी विविधता में वास्तविकता। पुरानी लाइटिंग, साउंड, तकनीकी उपकरणों के बावजूद इनके सेट एकदम असली लगते हैं और उस पर कलाकारों की जीवंत और उम्दा प्रस्तुति की तो बात ही क्या! अपनी मौलिकता की वजह से समय की रेत पर यह आज भी अपनी पहचान के साथ स्थिर खड़ा है।

(i) मोबाइल थियेटर से क्या अभिप्राय है? 1

(क) मोबाइल पर देखे जाने वाला थियेटर

(ख) मोबाइल की सहायता से बना थियेटर

(ग) चलते-फिरते देखे जाने वाला थियेटर

(घ) चलता-फिरता थियेटर

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यान से पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कर लिखिए— 1

कथन: असम के लेखकों, कलाकारों के लिए मोबाइल थियेटर संजीवनी हैं।

कारण: मोबाइल थियेटर उन्हें आत्मिक, सामाजिक और आर्थिक संतुष्टि प्रदान करता है।

विकल्प:

(क) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ख) कारण सही है किंतु कथन गलत है।

(ग) कथन सही है किंतु कारण कथन की गलत व्याख्या करता है।

(घ) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) मोबाइल थियेटर के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं— 1

(I) मोबाइल थियेटर फ़िल्मी मसालों से युक्त होते हैं।

(II) मोबाइल थियेटर असम में मनोरंजन का एकमात्र साधन हैं।

(III) बाज़ारवाद और तकनीक का प्रभाव थियेटरों पर भी पड़ा है।

विकल्प:

(क) केवल (II) सही है।

(ख) केवल (III) सही है।

(ग) (I) और (II) सही हैं।

(घ) (I) और (III) सही हैं।

(iv) मोबाइल थियेटर पारंपरिक थियेटर से किस प्रकार भिन्न हैं? 25-30 शब्दों में लिखिए। 2

(v) समय की रेत पर मोबाइल थियेटर की पहचान को स्थिर रखने वाली कौन-सी विशेषता है? किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख कीजिए। 2

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 7

जलवायु परिवर्तन के साथ जैसे-जैसे मौसम का 'पैटर्न' समुद्र के स्तर को प्रभावित कर रहा है, नदी प्रणालियों में भूकम्प से होने वाले महाविनाशकारी परिवर्तनों को समझना अपरिहार्य ही चला है। धरती लगातार हिल रही है। पहाड़ों में दरारें पड़ रही हैं। नदियाँ वैसे भी, विशेष रूप से मार्ग और प्रवाह में परिवर्तन के प्रति संवेदनशील होती हैं। भूकम्प से नदी मार्ग में परिवर्तन के विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, जिससे संपत्ति, कृषि और बुनियादी ढाँचे को भारी नुकसान पहुँच सकता है। हाल में, जब अध्येताओं की एक टीम ने ढाका से सौ किलोमीटर दक्षिण में नदी की पुरानी मुख्यधारा खोजने के लिए सैटेलाइट चित्रों का इस्तेमाल किया तो उस इलाके में भूकम्पीय संकेत-चिन्ह मिले। इस क्षेत्र में गंगा और ब्रह्मपुत्र की प्लेटें करीब होने से यहाँ अक्सर तेज़ भूकम्प आते रहे हैं। डेल्टा वाले नदी क्षेत्र में उच्च तीव्रता का भूकम्प आने पर प्रवाह का रास्ता पूरी तरह बदल सकता है। वहाँ तबाही इसलिए बहुत भयावह होगी, क्योंकि अब उस क्षेत्र में लाखों की घनी बसावट है।

भूकम्पीय गतिविधियों और नदियों के प्रवाह पर बारीक नज़र रखे हुए वैज्ञानिक लगातार ऐसे जोख़िम वाले तमाम वैश्विक क्षेत्रों की पहचान करने में जुटे हैं। सब कुछ के बावजूद, किसी भूकम्प के सटीक मापदंडों या किसी भी क्षण नदी के बहाव के बारे में पूर्वानुमान लगाना असंभव है।

(i) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए: 1

कथन: नदी प्रणालियों में भुकम्पीय विनाशकारी बदलावों को समझना अनिवार्य हो गया है।

कारण: भूकम्प से नदी मार्ग से परिवर्तन के विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।

विकल्प:

(क) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ख) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

(घ) कथन गलत है किंतु कारण सही है।

(ii) अध्ययनकर्ताओं को ढाका के दक्षिण में नदी की मुख्यधारा खोजते हुए क्या जानकारी मिली? 1

(क) उस क्षेत्र के पहाड़ों में दरारें मिलीं

(ख) उस क्षेत्र की संवेदनशीलता की जानकारी मिली

(ग) नदी की पुरानी मुख्यधारा इस क्षेत्र से गायब हो चुकी है।

(घ) उस इलाके में नदी की पुरानी मुख्यधारा के संकेत-चिन्ह मिले

(iii) डेल्टा वाले क्षेत्र में तीव्र भूकम्प आने से होगा— 1

(I) नदी-मार्ग बदल सकता है।

(II) भयानक तबाही होगी।

(III) उन क्षेत्रों में घनी बसावट हो सकती है।

(IV) वहाँ अक्सर तेज़ भूकम्प आते रहेंगे।

विकल्प:

(क) I-II **(ख)** II-III

(ग) III-IV **(घ)** I-IV

(iv) भूकम्प के सटीक मापदंड और नदी के बहाव का पूर्वानुमान लगाना असंभव क्यों है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए। 2

(v) पृथ्वी में हो रही लगातार भीतरी हलचल के कौन-कौन से परिणाम हो रहे हैं और हो सकते हैं? 2

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. 'पदबंध' पर निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 4×1=4

(i) बच्चे झूमते-गाते हुए चल रहे थे। (क्रिया-विशेषण पदबंध छाँटकर लिखिए)

(ii) किसी को आगे-पीछे की खबर न थी। (संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए)

(iii) छींट की सस्ती साड़ी में लिपटी नायिका ने गायिका को पीछे छोड़ दिया। (विशेषण पदबंध छाँटकर लिखिए)

(iv) बाज़ार के चौराहे से लाल बालों वाला एक सिपाही चला आ रहा था। (संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए)

(v) इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। (क्रिया पदबंध छाँटकर लिखिए)

4. 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(i) मैं इरादा करता कि आगे से खूब जी लगाकर पढ़ूँगा। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ii) मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार नहीं कर सकता था। (संयुक्त वाक्य में परिवर्तित कीजिए)

(iii) मैं मज़े से खेलता रहा और दरजे में भी अव्वल आया। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए)

(iv) जब मैं भोर का सारा समय गुल्ली-डंडे की भेंट करके लौटा तो भाई साहब ने तलवार खींच ली। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए)

(v) मौका पाते ही हॉस्टल से निकलकर मैं मैदान में आ जाता। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

5. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(क) (i) 'स्वाधीन' समस्त पद का विग्रह करके भेद भी लिखिए

(ii) 'निस्संदेह' समस्त पद किस समास का उदाहरण है?

(iii) 'नीलगगन' समस्त पद किस समास का उदाहरण है और कैसे?

(ख) समस्तपद बनाकर भेद का नाम लिखिए:

(iv) तीन वेणियों (नदियों) का संगम स्थल

(v) ठंडा या गर्म

6. 'मुहावरे' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(i) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए:
पढ़ाई के लिए इतनी मेहनत! उतनी मेहनत से तो मुझे ....।

(ii) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए:
मैं कमरे में इस तरह ..... कि माँ को खबर न हो।

(iii) 'व्यर्थ में लिखना' अर्थ को व्यक्त करने वाला मुहावरा लिखिए।

(iv) 'खून जलाना' मुहावरे का वाक्य में इस तरह प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।

(v) आज मैं बीमार हो जाऊँ, तो तुम्हारे हाथ-पाँव फूल जाएँगे। इस वाक्य में प्रयुक्त मुहावरे को छाँटकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

खंड–'ग'
(पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

28 अंक

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर दीजिए: 5×1=5

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं हैं। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दलालों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है।

(i) धरती के बारे में क्या कहा गया है?

(क) धरती मानव की है।

(ख) धरती का अस्तित्व पहले से है।

(ग) धरती सबकी साझी है।

(घ) धरती सहनशीला है।

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन: पहले धरती पर प्रत्येक जीव-जन्तु अपना अधिकार समझते और मिलजुलकर रहते।

कारण: 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना में विश्वास रखते थे।

(क) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(ख) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
(ग) कथन गलत है किंतु कारण सही है।
(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

(iii) संयुक्त परिवारों की वर्तमान में क्या स्थिति है?

(क) एकल परिवारों में सिमटना
(ख) स्वार्थ का हावी होना
(ग) परस्पर मिलनसारिता
(घ) सभी एक-दूसरे के सहायक

(iv) बढ़ती जनसंख्या का प्रभाव हुआ:

(क) समुद्ध को धकेलना शुरू हुआ
(ख) सब अपने लिए स्थान खोजने लगे
(ग) संसाधनों की खोज शुरू हुई
(घ) लूट-पाट बढ़ने लगी

(v) कॉलम-1 और कॉलम-2 को सुमेलित करके सही उत्तर चुनिए

	कॉलम-1		कॉलम-2
1.	प्रदूषण ने	I.	पेड़ साफ़ कर दिए
2.	बढ़ती आबादी ने	II.	परिभाषा बदल गई
3.	परिवार की	III.	पक्षियों को बेघर किया

विकल्प:

(क) 1-II, 2-I, 3-III **(ख)** 1-I, 2-III, 3-II
(ग) I-II, 2-III, 3-I **(घ)** I-III, 2-I, 3-II

8. 'गद्य' खंड पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दो में लिखिए: 3×2=6

(i) पढ़ाई के प्रति बड़े भाई साहब और छोटे भाई की सोच में क्या अंतर था? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ में लेखक द्वारा कई आंदोलनकारियों का उल्लेख हुआ है, जिनसे हम साधारणत: अपरिचित हैं। इसके पीछे लेखक का क्या दृष्टिकोण हो सकता है?

(iii) 'प्रेम सबको जोड़ता है।' 'तताँरा-वामीरों कथा' के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'गिन्नी का सोना' पाठ में दिए गए प्रसंग के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों को चुनकर लिखिए: 5×1=5

कंपनी बाग के मुहाने पर
धर रखी गई है यह 1857 की तोप
इसकी होती है बड़ी सम्हाल, विरासत में मिले
कंपनी बाग की तरह
साल में चमकाई जाती है दो बार।
सुबह-शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी
उन्हें बताती है यह तोप
कि मैं बड़ी जबर
उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे
अपने जमाने में

(i) 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में प्रयुक्त तोप को किसने बनवाया था?

(क) झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई ने
(ख) ईस्ट इंडिया कंपनी ने
(ग) बहादुरशाह जफ़र ने
(घ) मंगल पांडे ने

(ii) काव्यांश के आधार पर तोप की विशेषता थी:

(क) बहुत सुंदर और बढ़िया थी।
(ख) पर्यटक उसे देखने आते थे।
(ग) अपनी क्षमता पर गर्व था।
(घ) वर्ष में दो बार चमकाया जाता था।

(iii) वर्ष में तोप चमकाने के दिन होंगे:

(I) गाँधी जयंती **(II)** स्वतंत्रता दिवस
(III) नववर्ष दिवस **(IV)** गणतंत्र दिवस

विकल्प:

(क) I-III **(ख)** II-IV
(ग) I-II **(घ)** III-IV

(iv) हमारे शूरवीरों को मौत के घाट उतारने वाली 'तोप' को हमने सँभालकर क्यों रखा है?

(क) आज़ादी की जंग का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण
(ख) अंग्रेजों के अत्याचारों का प्रमाण होने के कारण

(ग) एक विशाल और ऐतिहासिक तोप होने के कारण

(घ) स्वतंत्रता विरोधी ताकतों से सावधान रहने की सीख देने के कारण

(v) **'कंपनी बाग के मुहाने पर'-पंक्ति में प्रयुक्त 'मुहाने' शब्द का अर्थ है:**

(क) प्रवेश द्वार (ख) बीचोंबीच

(ग) अंतिम द्वार (घ) बाईं तरफ़

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए: 3×2=6

(i) कबीर के, निंदक को पास रखने वाले विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं और क्यों?

(ii) किसी भी देश के विकास के लिए उदार व्यक्तियों की आवश्यकता होती है, कैसे? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए।

(iii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने पर्वत की विशालता को किस प्रकार चित्रित किया है? स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'आत्मत्राण' कविता की प्रार्थना अन्य प्रार्थनाओं से अलग कैसे है? स्पष्ट कीजिए।

11. 'संचयन' पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए: 2×3=6

(i) हरिहर काका को वृद्धावस्था में किन परेशानियों का सामना करना पड़ा? बुज़ुर्गों के खुशहाल जीवन के लिए आप क्या सुझाव देंगे?

(ii) 'कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती।' अपने आसपास से कोई उदाहरण देकर इस तथ्य की पुष्टि कीजिए।

(iii) आपका घनिष्ठ मित्र दूसरे मजहब का है, आपके घर में उसका स्वागत किस प्रकार होता है? विस्तार से लिखिए।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए: 5

(i) **ओलिंपिक में मिला भारत को रजत पदक .....**
- नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रचा इतिहास
- खुशी की लहर
- भारत का नाम रोशन

(ii) **ई-पुस्तकालय**
- पुस्तकालय का आधुनिक रूप
- ई-पुस्तकालय के लाभ
- ई-पुस्तकालय की सीमाएँ और भविष्य

(iii) **कड़ाके की ठंड और सड़क का कुत्ता .....**
- ठंडी रात में कूँ-कूँ करता कुत्ता
- मदद के हाथ
- राहत के क्षण

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए: 5

(i) आप दसवीं कक्षा के छात्र/छात्रा ओज/ओजस्विता हैं। आपके अनुरोध पर आपके विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या ने फुटबॉल प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था कर दी है। अत: उन्हें धन्यवाद पत्र लिखिए।

अथवा

(ii) आप ओज/ओजस्विता हैं। बच्चों में बढ़ते स्क्रीन समय पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक हिंदी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए: 4

(i) आप राजकीय वरिष्ठ विद्यालय के हिंदी अध्यापक/अध्यापिका देव/देविका हैं। आप विद्यालय में अंतर्विद्यालय कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कराने जा रहे हैं। विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देने के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

अथवा

(ii) आप राजकीय वरिष्ठ विद्यालय के छात्र/छात्रा देव/देविका हैं। भोजनावकाश के दौरान आपकी जैकेट खेल के मैदान में छूट गई थी। उसकी जानकारी देते हुए स्कूल के नोटिस बोर्ड पर लगाने के लिए एक सूचना लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन लिखिए: 5

(i) स्थानीय पुलिस द्वारा यातायात के नियमों का पालन करने के लिए जनहित में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

(ii) गर्मी की छुट्टियों में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा बच्चों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। अत: उसके लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. (i) "खेतों में भुट्टे की फ़सल देखकर हर कोई कहता—वाह! कितनी बढ़िया हैं दो-चार दिन में काटने की तैयारी थी लेकिन ....." पंक्ति से शुरुआत करते हुए लगभग 100 शब्दों में लघुकथा को पूरा कीजिए। 5

(ii) आप मोहल्ला सुधार समिति के सचिव अर्पण/अर्पणा हैं। पिछले दो दिनों से आपके मोहल्ले में पानी की आपूर्ति बाधित है, अत: जल आपूर्ति के लिए जल बोर्ड के अध्यक्ष को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए। 5

Delhi Set-2 **कोड-4/4/2**

नोट: *निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 में हैं।*

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **4×1=4**

(i) छींट की कलफ़ लगी कमीज़ पहने हुए एक व्यक्ति दौड़ रहा था। (रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।)

(ii) बालक भी इतनी-सी बात समझ सकता है। (क्रिया पदबंध छाँटकर लिखिए)

(iii) यह काफ़ी महँगा वस्त्र है। (विशेषण पदबंध छाँटकर लिखिए)

(iv) गिरते-पड़ते उसने पेड़ की शाखा को पकड़ लिया। (रेखांकित का पदबंध-भेद लिखिए)

(v) लड़कों का एक गोल पीछे-पीछे दौड़ा आ रहा था। (संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए)

4. 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **4×1=4**

(i) हेडमास्टर साहब की डिग्री यहाँ बेकार हो गई। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ii) जब से उनकी माताजी ने प्रबंध अपने हाथ में लिया है, घर में लक्ष्मी आ गई है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(iii) बड़े बाज़ार के प्राय: मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था। (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद लिखिए)

(iv) जो बड़े-बड़े पार्क और मैदान थे उन्हें पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था। (सरल वाक्य में बदलिए)

(v) जैसे ही अविनाश बाबू ने वहाँ झंडा गाड़ा पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद लिखिए)

5. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **4×1=4**

(क) **(i)** 'दोपहर' सामाजिक पद का विग्रह करके भेद भी लिखिए।

(ii) 'लौहपुरुष' समस्त पद किस समास का उदाहरण है?

(iii) 'आमरण' पद किस समास का उदाहरण है और क्यों?

(ख) समस्तपद बनाकर भेद का नाम लिखिए:

(iv) युद्ध में स्थिर

(v) श्वेत है अंबर जिसके

6. 'मुहावरे' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **4×1=4**

(iii) 'आड़े हाथों लेना' मुहावरे का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए।

(iv) 'युद्ध के लिए तैयार रहना/होना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा लिखिए।

(v) 'कँपकँपी छूटना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए: **5**

(i) आप राजकीय वरिष्ठ विद्यालय के छात्र/छात्रा ओजस्वी/ओजस्विता हैं। विद्यालय में बैडमिंटन प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था करने के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्य को निवेदन-पत्र लिखिए।

(ii) आप ओजस्वी/ओजस्विता हैं। 'शिक्षक-दिवस' के अवसर पर 'मेरा प्रिय शिक्षक' विशेष स्तंभ के लिए अपनी प्रस्तुति (कविता, कहानी, लेख) दैनिक हिंदी समाचार-पत्र के संपादक को भेजने के लिए लिखिए।

16. (i) एक दिन जब सुबह उठा तो हाथी-दल-से 'उमड़ते-घुमड़ते बादलों को देख मन प्रसन्न हो गया। गर्मी से राहत .....' पंक्ति से प्रारंभ होने वाली लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लिखिए। **5**

अथवा

(ii) आप भावुक/भावना है। बारिश के बाद अपके विद्यालय में मच्छरों की संख्या बहुत अधिक बढ़ गई है। अत: नगर निगम अधिकारी को मच्छर मारने की दवाई का छिड़काव करवाने के लिए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। **5**

Delhi Set-3 **कोड-4/4/3**

नोट: *निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-1 व Delhi Set-2 में हैं।*

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. 'पदबंध' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **4×1=4**

(i) "पुलिस कमिश्नर का नोटिस निकल चुका था।" (वाक्य से संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए)

(ii) "उधर स्त्रियाँ मोनुमेंट की सीढ़ियों पर झंडा फहरा रही थीं।" (रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए)

(iii) "सुभाष बाबू को पकड़ लिया गया था।" (क्रिया पदबंध छाँटकर लिखिए)

(iv) "सब मिलाकर कुल 105 स्त्रियाँ पकड़ी गई थीं।" (वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए)

(v) झंडा लेकर भागने वाला वह ठोकर खाकर गिर गया। (इस वाक्य में सर्वनाम पदबंध छाँटकार लिखिए)

4. "रचना के आधार पर वाक्य-रूपांतरण' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(i) यहाँ भी बहुत-सा काम हो सकने के बारे में लोग सोचने लगे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ii) आस-पास बहुत बड़ी भीड़ इकट्ठी हो गई, जिस पर पुलिस बीच-बीच में लाठी चलाती थी। (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद लिखिए)

(iii) धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस टूट गया और कुछ स्त्रियाँ वहीं मोड़ पर बैठ गईं। (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद लिखिए)

(iv) दो सौ आदमियों का जुलूस लाला बाज़ार पहुँचकर गिरफ्तार हो गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(v) "जो वॉलेंटियर थे वे अपने स्थान से लाठियाँ पड़ने पर भी हटते नहीं थे।" (सरल वाक्य में बदलिए)

5. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(क) (i) 'घुड़सवार' सामाजिक पद का विग्रह कीजिए और भेद भी लिखिए।

(ii) कर्मधारय समास का एक उदाहरण दीजिए।

(iii) 'त्रिवेणी' पद किस समास का उदाहरण है और क्यों?

(ख) समस्तपद बनाकर भेद का नाम लिखिए:

(iv) सुंदर हैं लोचन जिसके (स्त्री विशेष)

(v) खट्टा और मीठा

6. 'मुहावरे' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(क) (i) 'आँखें फेर लेना'-मुहावरे का अर्थ लिखिए।

(ii) 'दाँत खट्टे करना'-मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

(iii) 'तैयार होना'-अर्थ को व्यक्त करने वाला मुहावरा लिखिए।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. (i) "ओज और रमायेरा प्रतिदिन की तरह विद्यालय जा रहे थे कि एक दिन रास्ते में छोटी लड़की रोती हुई मिली ....." पंक्ति से प्रारंभ करते हुए लगभग 100 शब्दों में लघुकथा पूरी कीजिए।

अथवा

(ii) आप रजनी/रजनीश हैं। आपकी कॉलोनी में स्थित पार्क को सार्वजनिक आयोजन स्थल बना दिया गया है जिसके कारण बच्चे और बुज़ुर्ग बेहद प्रभावित हुए हैं। नगर निगम अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल द्वारा सूचना देते हुए इसके लिए उचित कदम उठाने का आग्रह कीजिए। 5

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए: 5

(i) आप राजकीय वरिष्ठ विद्यालय के प्रधान छात्र/छात्रा अमृत/अमृता हैं। विद्यालय की कैंटीन व्यवस्था में सुधार हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या को एक पत्र लिखिए।

अथवा

(ii) आप अमृत/अमृता है। बाज़ार में हिंदी पुस्तकों की अनुपलब्धि की शिकायत करते हुए एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के प्रबंधक को एक पत्र लिखिए।

Outside Delhi Set-1 **कोड-4/6/1**

खंड–'क'
(अपठित बोध)

14 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पिता हमेशा रुक्ष नहीं होता, सदैव कठोर व्यवहार से घर को संचालित नहीं करता क्योंकि वह भीतर से सौम्य प्रकृति का होता है। पिता का प्रेम दिखाई नहीं देता, उसे महसूस किया जा सकता है। बाहर से कठोर दिखाई देने वाला पिता भीतरी स्तर पर अत्यन्त भावुक होता है।

जिस घर में पिता बच्चों के साथ बातचीत करता है, हँसता-बोलता है, उनके सभी क्रियाकलापों में सहयोग करता है, उसी घर में बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास उचित रूप से हो पाता है। अच्छी और सुसंस्कृत संतान हर माता-पिता की ख्वाहिश होती है। बच्चों के पालन-पोषण में दोनों समान भूमिका निभाते हैं। आज का युग इस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, जहाँ माता-पिता दोनों कामकाजी हैं। भागदौड़ भरी ज़िंदगी में घर के साथ दफ्तर भी संभालना होता है। ऐसे में केवल माँ के भरोसे घर और बच्चों को छोड़ना सही नहीं है। दोनों के सहयोग से ही घर को संभाल पाना संभव होता है। पिता का दायित्व आज दफ्तर की सीमा से निकलकर घर तक आ गया है। बच्चों को सुबह उठाकर स्कूल भेजने से लेकर होमवर्क करवाने तक सभी कार्यों में उसकी समान भागीदारी आज अपेक्षित है। आज नई पीढ़ी के युवा घर में इन ज़िम्मेदारियों को बख़ूबी निभाते देखे जा सकते हैं।

वर्तमान समय में पढ़े-लिखे कामकाजी-एकल परिवार में व्यक्ति का जीवन दबाव में ही दिखता है, चाहे वह पढ़ाई का हो, कैरियर

का हो अथवा कार्यक्षेत्र में हो। परिवार का खुशनुमा और परस्पर सौहार्द्रपूर्ण वातावरण उस बाहर निकलने में सहायक बनता है।

(i) **निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से सहीं विकल्प चुनिए और उत्तर लिखिए।** 1

- **कथन :** पिता सदैव कठोर व्यवहार से घर को संचलित नहीं करता।
- **कारण :** बच्चों की गतिविधियों में पिता की सौभ्यतापूर्ण भागीदारी और सहयोग रहता है।

(क) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।

(ख) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(ग) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ii) **अच्छी और सुसंस्कृत संतान के लिए अपेक्षित है—** 1

(क) बच्चों के पालन-पोषण में केवल माता की सहभागिता

(ख) बच्चों के पालन-पोषण में केवल पिता की सहभागिता

(ग) बच्चों के पालन-पोषण में माता-पिता दोनों की सहभागिता

(घ) बच्चों के पालन-पोषण में समाज की सहभागिता

(iii) **आज की युवा पीढ़ी में कौन-सा सकारात्मक परिवर्तन आया है?** 1

(क) युवा माता-पिता दोनों का कामकाजी होना।

(ख) बच्चों की परवरिश में माता को पिता का पूर्ण सहयोग मिलना।

(ग) एकल परिवारों का चलन दिन-प्रतिदिन बढ़ना।

(घ) एकल परिवारों में बच्चों का जल्दी परिपक्व होना।

(iv) **माता-पिता पर अपनी संतान को लेकर कौन-कौन से दबाव हैं? इन दबावों से आप अपने माता-पिता को मुक्ति कैसे दिलवा सकते हैं?** 2

(v) **पिता की कौन-सी दो विरोधी बातें परिवार को सही दिशा में ले जाती हैं?** 2

2. **निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** 7

हर्बल-ऑर्गेनिक (जैविक) आहार ऐसे आहार होते हैं जो प्राकृतिक रूप से शुद्ध और ताज़ा होते हैं और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं। परंपरागत व्यंपरागत व्यंजन, पेय पदार्थ, फल-सब्ज़ियाँ और मसाले ऋतु के अनुसार हमारे भोजन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। परंपरागत और स्वदेशी भोजन एवं पेय पदार्थ पाश्चात्य फास्टफूड एवं रसायन युक्त कोल्ड ड्रिंक्स के शानदार विकल्प हैं। सरकार, व्यापारियों और दुकानदारों को नया कुछ भी नहीं करना है। बस उन्हें पहले से स्थापित भोजनालयों, दुकानों एवं शैक्षणिक संस्थाओं, कम्पनी कार्यालयों की कैंटीनों, मॉल्स तक इनको पहुँचाना है। परंपरागत खाद्य पदार्थों के साथ ऑर्गेनिक खाद्य एवं पेय पदार्थों की बिक्री के लिए विशेष व्यवस्था की जानी चाहिए। ऑर्गेनिक फलों और सब्ज़ियों के ताज़ा जूस, सूप, शेक, दूध, छाछ, लस्सी, शरबत, ठंडाई, हर्बल चाय, जौ, गेहूँ, मक्का या बाजरे की राबड़ी, नींबू की शिकंजी के साथ ऑर्गेनिक फल भी उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाए जा सकते हैं। साधारण ढाबों से लेकर पाँच सितारा होटलों तक शरबत, नारियल पानी, जुवारे का जूस, तरबूज का जूस, सत्तू और छाछ, जैसे पेय पदार्थों को उपलब्ध करवाकर इनको उपभोक्ताओं में लोकप्रिय बनाया जा सकता है। पृथक से हर्बल फूड सेंटर बनाकर वहाँ ऑर्गेनिक हरी सब्ज़ियों, दालों एवं मिलेट्स से निर्मित भोजन भी उपलब्ध करवाया जा सकता है। अंकुरित दालें, अनाज, दही, मक्खन, मक्का की घाट को भी लोकप्रिय बनाया जा सकता है। भारतीय स्वदेशी परंपरागत पेय पदार्थ, व्यंजन एवं मिष्ठान्न, बाज़ार में लोकप्रिय होने से स्वदेशीकरण, समृद्ध किसान और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। इस तरह के सेंटरों की मदद से रोज़गार के अवसर तो बढ़ेंगे ही रासायनिक खेती से खराब होते खेतों और मानव स्वास्थ्य को भी बचाया जा सकता जा है।

(i) **निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए और उत्तर लिखिए।** 1

- **कथन :** स्वदेशी, परंपरागत और जैविक खाद्य और पेय पदार्थों की लोकप्रियता से देश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी।
- **कारण :** स्वदेशीकरण किसानों की समृद्धि और देश की आत्मनिर्भरता का आधार है।

(क) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ख) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।

(ग) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

(घ) कथन गलत है, किंतु कारण सही व्याख्या है।

(ii) **फास्टफूड एवं रसायन युक्त पेय पदार्थों से बचने के लिए—** 1

(क) स्वदेशी भोजन एवं परंपरागत पेय का उपयोग करारा जवाब है।

(ख) हर्बल-ऑर्गेनिक सामान सहजता से उपलब्ध करवाना होगा।

(ग) हर्बल-ऑर्गेनिक पेय एवं खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं।

(घ) पाँच सितारा होटलों में ऑर्गेनिक टैन लगा भोजन खाना बेहतर है।

(iii) परंपरागत भोजन को लोकप्रिया कैसे बनाया जा सकता है? 1

(I) उपलब्धता बढ़ाकर

(II) प्रचार-प्रसार द्वारा

(III) बिक्री की विशेष व्यवस्था करके

(IV) घर-घर मुफ्त ऑर्गेनिक सामान बाँटकर

(क) (II) - (III)

(ख) (III) - (IV)

(ग) (I) - (IV)

(घ) (I) - (III)

(iv) आत्मनिर्भर भारत का सपना कैसे पूरा होगा ? 2

(v) हर्बल फूड सेंटर कहाँ-कहाँ लाभदायक होंगे? 2

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. पदबंध पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×1=4

(i) मैं रंग-बिरंगे कागजों की तितलियाँ उड़ाता। (पदबंध छाँटकर उसका भेद भी लिखिए।)

(ii) मैं कह न पाता कि ज़रा बाहर खेल रहा था। (क्रिया पदबंध छाँटकर लिखिए।)

(iii) दादा की गाढ़ी कमाई के रुपए क्यों बरबाद करते हो? (संज्ञा पदबंध छाँटिए।)

(iv) मैदान की सुखद हरियाली खींच ले जाती। (विशेषण पदबंध छाँटिए।)

(v) मैं सुबह से शाम तक पतंग उड़ाता रहता। (क्रिया-विशेषण पदबंध छाँटिए।)

4. 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4×1=4

(i) मैं यह लताड़ सुनता और आँसू बहाने लगता। (सरल वाक्य में बदलिए।)

(ii) मेरे भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)

(iii) अपराध करने पर भी लताड़ कौन सहे ? (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए।)

(iv) ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते हैं कि मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए।)

(v) कार्तिक मास के आते ही हवा में ठंडक शुरु हो गई। (संयुक्त वाक्य में परिवर्तित किजिए।)

5. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4×1=4

(i) 'गुल्ली-डंडा' सामासिक पद का विग्रह करके भेद भी लिखिए।

(ii) 'आत्मविश्वास' पद समास के किस भेद का उदाहरण है?

(iii) 'प्रत्येक' पद समास के किस भेद का उदाहरण है और क्यों?

(iv) 'तीन भुजाओं का समाहार' विग्रह का समस्त पद बनाकर भेद लिखिए।

(v) बहुव्रीहि समास का एक उदाहरण लिखिए।

6. मुहावरों पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×1=4

(i) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए।
परीक्षा में प्रथम आने के लिए रात-दिन ..... पड़ती है।

(ii) भाई साहब के सूक्ति-बाणों से मेरी तो .....।

(iii) 'आज मैं बीमार हो जाऊँ, तो तुम्हारे हाथ-पाँव फूल जाएँगे।' – इस वाक्य से मुहावरा छाँटकर उसका वाक्य में प्रयोग किजिए।

(iv) 'चोरी-चोरी आना' अर्थ के लिए मुहावरा लिखिए।

(v) 'धूल में मिला देना' मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।

खंड–'ग'
(पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

28 अंक

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 5×1=5

ग्वालियर से मुम्बई की दूरी ने संसार को काफ़ी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज मेरा घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी-चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों-चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं।जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है। इनमें से दो कबूतरों ने मेरे फ्लैट के एक

मचान में घोंसला बना लिया है। बच्चे अभी छोटे हैं। उनके खिलाने-पिलाने की ज़िम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की है। वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं। और क्यों न आए-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज़ को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्ज़ा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज़-रोज़ की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश उदास बैठे रहते हैं।

(i) **लेखक पहले कहाँ रहता था और अब कहाँ रहने लगा है?**

(क) बंबई (मुंबई)-ग्वालियर

(ख) वर्सोवा-ग्वालियर

(ग) बंबई-वर्सोवा

(घ) ग्वालियर-बंबई

(ii) **लेखक जब वर्सोवा रहने आया तो वहाँ स्थिती कैसी थी?**

(क) प्राकृतिक वातावरण समृद्ध था।

(ख) आधुनिक सुविधाओं से भरपूर वातावरण था।

(ग) हवा-पानी की पर्याप्त सुविधा थी।

(घ) अड़ोस-पड़ोस बहुत अच्छा था।

(iii) **कबूतरों की उदासी का कारण था**

(क) वे अपने बच्चों को खाना नहीं दे पाते थे।

(ख) घर में अंदर जाने के रास्ते बंद हो गए थे।

(ग) बच्चे जाली के पीछे रह गए थे।

(घ) बच्चे जाली से बाहर आना चाह रहे थे।

(iv) **निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।**

- **कथन :** लेखक की पत्नी ने कबूतरों के घोंसले का स्थान बदल दिया।
- **कारण :** वे घर के अंदर घुसकर टेबल-पुस्तकें आदि गंदी कर देते थे।

(क) कथन सही है, किन्तु कारण गलत है।

(ख) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।

(ग) कथन गलत है, किन्तु कारण सही है।

(घ) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

(v) **गद्यांश के आधार पर बढ़ते शहरीकरण का क्या दुष्परिणाम निकला?**

(क) पर्यावरण दूषित हो गया।

(ख) जीवन फ्लैटों में सिमट गया।

(ग) जीव-जंतु घर से बेघर हो गए।

(घ) समुद्र किनारे घनी आबादी बस गई।

8. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों लिखित : 3×2=6

(i) 'बुनियाद ही पुख्ता न हो, तो मकान कैसे पायेदार बने?' 'बड़े भाई साहब' कहानी के इस कथन के माध्यम से क्या सीख मिलती है?

(ii) धर्मतल्ले पर क्या घटना घटित हुई? 'डायरी का पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) 'तताँरा-वामीरो कथा' के आधार पर रूढ़ियों के विषय में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'झेन की देन' प्रसंग से लेखक किस तथ्य को उजागर करना चाहता है?

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों को चुनिए :

कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते क़दम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो... **5×1=5**

(i) **'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया'—पंक्ति में हिमालय किसकी प्रतीक है?**

(क) भारत माता के मुकुट का

(ख) उत्तर में स्थित पर्वत-शृंखला का

(ग) देश की आन-बान और शान का

(घ) देश के प्राकृतिक सौंदर्य का

(ii) **'साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई'—पंक्ति के संदर्भ में सैनिकों की इस स्थिति का कारण है—**

(क) मार्ग की थकावट और निद्रा

(ख) ऊँची-ऊँची पर्वत-चोटियाँ

(ग) युद्ध में घायल होना

(घ) विपरीत प्राकृतिक परिस्थितियाँ

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

• **कथन :** सामने के खतरों के समक्ष साँसे रुकती थीं। फिर भी दुश्मन से मुकाबला करने के लिए कदम बढ़ते ही जाते थे।

• **कारण :** देश की स्वतंत्रता-सुरक्षा के लिए सर्वोपरि थी।

(क) कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

(ख) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(ग) कथन सही है, किन्तु कारण गलत है।

(घ) कथन गलत है, किन्तु कारण सही है।

(iv) शहीद होने वाले सैनिक को किस बात का गर्व है?

(क) देश को सुरक्षित हाथों में सौंपने का

(ख) आखिरी साँस तक देश की रक्षा करने का

(ग) देश की सीमा पर बलिदान देने का

(घ) शत्रु को देश में न आने देने का

(v) 'कर चले हम फ़िदा जानो-तन साथियो'—पंक्ति के संदर्भ में 'फ़िदा' शब्द का अर्थ है—

(क) भेंट देना **(ख)** मोहित होना

(ग) लुटाना **(घ)** बलिदान करना

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखित : 3×2=6

(i) 'कबीर' की साखियों में कौन-कौन से जीवन-मूल्य उभरते हैं?

(ii) बादलों से पर्वत के छिप जाने पर कवि की कल्पना, 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'मनुष्यता' कविता में कवि लोगों से किस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा करता है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

(iv) 'दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद'
'तोप' कविता से उद्धृत इन पंक्तियों का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए।

11. 'संचयन' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए : 2×3=6

(i) 'हरिहर काका' कहानी में ठाकुरबारी के महंत ने हरिहर काका को अपने जाल में फँसाने के लिए क्या प्रयास किया? आजकल बुजुर्गों के साथ साइबर होते हैं, आप उनसे बचने के लिए उन्हें क्या सुझाव देंगे?

(ii) 'रिश्तों की बुनियाद प्रेम है।' 'टोमी शुक्ला' पाठ से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'खेलकूद बच्चों को अनुशासित, सक्रिय और मिलनसार बनाता है।'—इस कथन पर अपने विचार 'सपनों के से दिन' पाठ से उदाहरण देते हुए लिखिए।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(i) कंप्यूटर युग

संकेत बिंदु—• कम्प्यूटर का बढ़ता उपयोग • कम्प्यूटर के विविध क्षेत्र • कम्प्यूटर क्रांति

(ii) जीवन का सच्चा सुख संतोष में....

संकेत बिंदु—•संतोष का महत्त्व • इच्छा नियंत्रण • सुखी जीवन का आधार

(iii) किसी खेल का आँखों देखा वर्णन...

संकेत बिंदु—•खेल का चरमोत्कर्ष • लागों में उत्साह • अंतिम चरण में पासा पलटा

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए : 5

(i) आप दसवीं कक्षा के नीहार/निहारिका हैं। विद्यालय में फुटबॉल प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था करने के लिए विद्यालय की प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए।

अथवा

(ii) आप निकिता/निकेत हैं। पैरा ओलंपिक में प्रथम स्वर्ण पदक पाने वाले पद्मश्री मुरलीकांत पेटकर के बारे में प्रकाशित 'फीचर' की कॉपी मँगाने हेतु दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र के प्रबंधक को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए : 4

(i) आप अपने विद्यालय की विद्यार्थी परिषद के सचिव विभू/विभा हैं। आपके विद्यालय में साझी कार्यक्रम के अंतर्गत

अंतरविद्यालीय 'संगीत प्रस्तुति' का आयोजन किया जा रहा है। सभी स्कूलों को जानकारी देने के लिए सूचना तैयार कीजिए।

अथवा

(ii) आप अ.ब.स. सोसायटी के सचिव विभू/विभा हैं। आपकी मोहल्ला समिति, वृक्षारोपण का आयोजन कर रही है जिसमें सभी मोहल्लावासियों की भागीदारी अपेक्षित है अत: इसके लिए सूचना तैयार कीजिए।

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन लिखित : 3

(i) आपके विद्यालय के विद्यार्थियों ने 'पड़ोस के बच्चों' के साथ मिलकर कुछ फूलों के गमले तैयार किए हैं, जिन्हें बेचकर बच्चों के लिए पुस्तकें एवं खेल-खिलौनों की व्यवस्था की जाएगी। गमलों की बिक्री के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

(ii) डिजिटली ठगी के बढ़ते अपराधों से जनसाधरण को सावधान रहने हेतु अ.ब.स. संस्थान द्वारा जनहित में जारी एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. (i) "आसमान में उड़ती पतंगें... ! स्वतंत्रता दिवस का उत्सव भरा वातावरण, बच्चों की खिलखिलाहट, देशभक्ति से सराबोर ..." इन वाक्यों से प्रारंभ हुई लघु-कथा को 100 शब्दों में पूरा कीजिए। **5**

अथवा

(ii) बरसात के मौसम में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण अपने क्षेत्र में डेंगू और चिकनगुनिया के बढ़ते मरीजों की संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई.मेल लिखिए।

Outside Delhi Set-2 **कोड–4/6/2**

नोट: *निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 में हैं।*

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. पदबंध पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 4×1=4

(i) एक ललित निबंध लिखो जो चार पन्नों से कम न हो। (संज्ञा पदबंध छाँटकर लिखिए।)

(ii) वह इतनी-सी बात भी समझ नहीं सकता है। (क्रिया पदबंध छाँटकर लिखिए।)

(iii) भाई साहब ने अपने दरजे की पढ़ाई का भयंकर चित्र खींचा था। (रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।)

(iv) ततँरा नीचे की तरफ़ फिसलने लगा। (क्रिया-विशेषण पदबंध छाँटकर लिखिए।)

(v) पशु पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं का प्रदर्शन किया जाता है। (रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए।)

4. 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) सफल खिलाड़ी का कोई निशाना खाली नहीं जाता। (मिश्र वाक्य में बदलिए।)

(ii) मेरे दरजे में आओगे, तो दाँतों पसीना आ जाएगा। (सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)

(iii) जैसे ही हेनरी सातबें की जगह आठवाँ लिखा वैसे ही सब नंबर गायब ! (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए ।)

(iv) अपनी बात चटपट कहो और अपनी राह लो। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए।)

(v) मैं तुमसे हमेशा पाँच साल बड़ा रहूँगा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए।)

5. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं के उत्तर दीजिए : 4×1=4

(i) 'बेकाम' सामासिक पद का विग्रह करके भेद भी लिखित।

(ii) 'नवनिधि' समस्त समस्त पद किस समास का उदाहरण है और कैसे?

(iii) द्वंद्व समास का एक उदाहरण दीजिए।

(iv) 'कांति से हीन' विग्रह का समस्त पद बनाकर भेद का नाम भी लिखित।

(v) ततँरा ध्यान में मग्न होकर वामीरो का गाना सुन रहा था। इस वाक्य में रेखांकित पदों की जगह उपयुक्त समस्त पद लिखित।

6. मुहावरों पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×1=4

(i) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए।
परीक्षा में प्रथम आने के लिए रात-दिन ..... पड़ती है।

(ii) 'अंग्रज़ी' पढ़ना कोई हँसी-खेल नहीं है कि जो चाहे पढ़ ले, नहीं ऐरा-गैरा नत्थू-खैरा सभी अग्रंजी के विद्वान हो जाते।' –इस वाक्य से मुहावरा छाँटकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(iii) 'पापड़ बेलना' मुहावरे का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए।

(iv) 'बुरी तरह पीड़ा पहुँचाना' अर्थ के लिए मुहावरा लिखिए।

(v) 'दीबार खड़ी करना' मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।

खंड-'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभाग 100 शब्दों में पत्र लिखिए:

(i) आप दसवीं कक्षा के तन्वी/तनु हैं। अपने प्रधानाचार्य को कैंटीन व्यवस्था में सुधार हेतु सुझाव देते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

(ii) आप दसवीं कक्षा के तन्वी/तनु हैं। किसी दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र के संपादक को अपने विद्यालय में आयोजित पुस्तक मेले की रिपोर्ट प्रकाशन हेतु भेजने के लिए पत्र लिखिए।

16. (i) "वर्षा क्या आई, झड़ी लग गई। इतना पानी कि चारों तरफ़ ...." इस विषय को आगे बढ़ाते हुए लगभग 100 शब्दों में लघु-कथा लिखिए।

अथवा

(ii) आप प्रेरक/प्रेरणा हैं। आपके पड़ोस में अनधिकृत दुकानें बनाई जा रही हैं। इसकी शिकायत करते हुए जिलाधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

Outside Delhi Set-3 **कोड-4/6/3**

नोट: *निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-1 व Set-2 में हैं।*

खंड-'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. पदबंध पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×1=4

(i) 11 बजे मारवाड़ी बालिका विद्यालय की लड़कियों ने झंडोत्सव मनाया। (संज्ञा पदबंध छाँटिए।)

(ii) जगह-जगह फोटो उतर रहे थे। (क्रिया पदबंध छाँटिए।)

(iii) नोटिस निकल गया था कि मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा। (क्रिया विशेषण पदबंध छाँटिए)

(iv) कुछ काम करने वाले लोग थे। (रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए)

(v) मैदान के मोड पर पहुँचते ही पुलिस ने लाठियाँ चलानी शुरू कर दी। (रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए)

4. 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×1=4

(i) उत्सव का क्या मतलब है, लड़कियों को समझाया गया। (सरल वाक्य में बदलिए।)

(ii) दो-तीन बजे कई आदमियों को पकड़ लिया गया। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए।)

(iii) वहाँ रहने वाले तताँरा को निकोबारी बेहद प्रेम करते थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए।)

(iv) जब बिहारी सात-आठ साल के ही थे तभी इनके पिता ओरछा चले आए। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए।)

(v) सुभाष बाबू का जुलूस ठीक चार बजे मोनुमेंट पहुँच गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए।)

5. 'समास' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 4×1=4

(i) 'शब्दहीन' सामासिक पद का विग्रह कीजिए और भेद भी लिखिए।

(ii) 'अव्ययीभाव' समास का एक उदाहरण दीजिए।

(iii) 'सप्तसिंधु' किस समास का उदाहरण है और कैसे?

(iv) 'महान् है आत्मा जिसकी' विग्रह का समस्त पद बनाकर भेद का नाम लिखिए।

(v) 'विद्या रूपी धन के सामने सभी धन तुच्छ हैं।' निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदों की जगह उपयुक्त समस्त पद लिखिए।

6. मुहावरों पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×1=4

(i) 'मेले में तताँरा वामीरो को एक साथ देखकर वामीरो की माँ आग-बबूला हो उठी।'—इस वाक्य में से मुहावरा छाँटकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(ii) 'खुशी का ठिकाना न रहना'—मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।

(iii) 'विरोध करना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा लिखिए।

खंड-'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. (i) "आज की पिकनिक, मज़ा आ गया। सोचा भी न था कि इतना ....." इस पंक्ति से शुरुआत करते

हुए लघु-कथा को लगभग 100 शब्दों में पूरा कीजिए। **5**

अथवा

(ii) आप दिव्य/दिव्या हैं। अ.ब.स. बैंक में आपका बचत खाता है। आपके ई-मेल और फ़ोन पर खाते से संबंधित सूचनाएँ मिलनी बंद हो गई हैं। सुविधा पुनः प्रारंभ करने के लिए बैंक प्रबंधक को लगभग 80 में ई-मेल लिखिए।

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखित : 3

(i) आप दसवीं कक्षा के छात्र/छात्रा/अनुज/अनुजा हैं। अपनी प्रधानाचार्या को पत्र लिखकर विद्यालय के पुस्तकालय में बाल साहित्य की पुस्तकें मँगवाने का निवेदन कीजिए।

अथवा

(ii) आप अनुज/अनुजा हैं। आपके क्षेत्र में विद्युत की कटौती बहुत अधिक हो रही है और आपकी वार्षिक परीक्षा नज़दीक है। विद्युत विभाग के अधिकारी को पत्र लिखकर सुनिश्चित करें कि परीक्षा के दिनों में आपके क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति निर्वाधित हो।

❑❑❑

OSWAAL 360

उत्तरमाला

Delhi Set-1 **कोड–4/4/1**

खंड–'क'
(अपठित गद्यांश)

14 अंक

1. (i) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—मोबाइल थियेटर एक ऐसे थियेटर है जो एक जगह टिककर नहीं रहता है, इसलिए इसे भ्रम या चलता-फिरता थियेटर कहते हैं।

(ii) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—असम में मोबाइल थियेटर फ़िल्मों से ज़्यादा लोकप्रिय है। ये मोबाइल थियेटर असम के लेखकों और कलाकारों के लिए संजीवनी के समान कार्य करते हैं। इसमें अभिनय, प्रस्तुति और मनोरंजन में कोई समझौता नहीं किया जाता है। इसकी विविधता में वास्तविकता होने के कारण ये मोबाइल थियेटर असम के लेखकों और कलाकरों को आत्मिक, सामाजिक और आर्थिक संतुष्टि प्रदान करते हैं।

अत: कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या करता है।

(iii) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—असम के मोबाइल थियेटर की रूपरेखा भले ही नाटकों की हो पर इनका स्टाइल पूरा फ़िल्मी है। इनमें पटकथा से लेकर नाच-गाना, एक्शन, ईमोशन हर तरह का फ़िल्मी मसाला होता है। लेकिन बाज़ारवाद और नई तकनीकों ने इनका रूप ही नहीं रूख भी बदल दिया है।

(iv) मोबाइल थियेटर पारंपरिक थियटरों की तरह स्थायी नहीं होता है। इसके विपरीत यह एक चलता-फिरता खानाबदोश ज़िंदगी जीता है। असम के लेखकों और कलाकार स्टेज, पोशाक, तकनीकी उपकरण के साथ-साथ दर्शकों के बैठने के लिए कुर्सियाँ भी अपने साथ ट्रक पर लादकर यहाँ से वहाँ घूमते रहते हैं।

(v) मोबाइल थियेटर की विविधता में वास्तविकता है। यहाँ अभिनय, प्रस्तुति और मनोरंजन में कोई समझौता नहीं किया जाता है। कलाकारों की जीवंत और उम्दा प्रस्तुति ने इस थियेटर का अस्तित्व आज भी बनाए रखा है। अपनी मौलिकता के कारण मोबाइल थियेटर आज भी समय की रेत पर अपनी पहचान के साथ स्थिर खड़ा है।

2. (i) विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—नदी प्रणालियों में आने वाले भूकंप के कारण महाविनाशकारी परिवर्तन हो रहे है। धरती लगातर हिल रही है। पहाड़ों में दरार पड़ रही है। नदियों के मार्ग और प्रवाह में परिवर्तन आ रहे हैं। इस परिवर्तन के विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।

अत: कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या करता है।

(ii) विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—अध्ययनकर्ताओं को ढाका के दक्षिण में नदी की मुख्य धारा खोजते हुए उस इलाके में भूकंपीय संकेत-चिन्ह मिले। डेल्टा वाले नदी क्षेत्र में उच्च तीव्रता का भूकंप आने से प्रवाह का रास्ता पूरी तरह बदल सकता है।

(iii) विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—डेल्टा वाले नदी क्षेत्र में उच्च तीव्रता का भूकंप आने से प्रवाह का रास्ता पूरी तरह बदल सकता है। अगर ऐसा हुआ तो इस क्षेत्र में लाखों की घनी बसावट होने के कारण बहुत भयावह तबाही हो सकती है।

(iv) (गद्यांश में इस प्रश्न का उत्तर देने हेतु आवश्यक विषय वस्तु का उल्लेख नहीं किया गया है।)

वैज्ञानिकों द्वारा भूकंपीय गतिविधियों और नदियों के प्रवाह पर लगातार बारीक नज़र बनाए रखे जाने के बावजूद किसी भी भूकंप के सटीक मापदंडों या नदी के बहाव के बारे में पूर्वानुमान लगाना असंभव है, क्योंकि प्राकृतिक परिवर्तनों का सटीक आकलन नहीं किया जा सकता है। जलवायु परिवर्तनों और मौसम के पैटर्न का अध्ययन किया जा सकता है लेकिन इसके विषय में सटीक पूर्वानुमान लगाना असंभव है।

(v) पृथ्वी में हो रही लगातार भीतरी हलचल के कारण धरती लगातार हिल रही है। पहाड़ों में दरार पड़ रही है। नदियों के मार्ग और प्रवाह में परिवर्तन आ रहे हैं। इस परिवर्तन से संपत्ति, कृषि और बुनियादी ढाँचे को भारी नुकसान पहुँच सकते हैं। डेल्टा वाले नदी क्षेत्रों में उच्च तीव्रता के भूकंप आने से विनाशकारी दुष्परिणाम हो सकता है।

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. (i) झूमते-गाते हुए क्रिया विशेषण है।

व्याख्या—जिन शब्दों द्वारा क्रिया की विशेषता का पता चलता है, उसे क्रिया विशेष कहते हैं।

(ii) 'किसी को आगे-पीछे की खबर' संज्ञा पदबंध है।

(iii) छींट की सस्ती/ छींट की सस्ती साड़ी में लिपटी विशेषण पदबंध है।

(iv) बाज़ार के चौराहे से लाल बालों वाले एक सिपाही संज्ञा पदबंध है।

(v) चले गए हैं। क्रिया विशेषण है।

4. (i) मेरा इरादा खूब जी लगाकर पढ़ने का था।

(ii) मैं फटकार और घुड़कियाँ खाने को तैयार था, लेकिन खेल-कूद का तिरस्कार करने को नहीं।

(iii) संयुक्त वाक्य है।

व्याख्या—इसमें दो या दो से अधिक स्वतंत्र वाक्य होते हैं।

(iv) मिश्र वाक्य है।

व्याख्या—इसमें एक मुख्य उपवाक्य और अन्य उपवाक्य उस पर आश्रित होते हैं।

(v) जैसे ही मैं मौका पाता वैसे पाता वैसे ही निकलकर मैदान में आ जाता।

5. (i) समास विग्रह-स्व के अधीन अर्थात् अपने अधीन, तत्पुरुष समास होगा।

(ii) अव्ययीभाव समास है।

(iii) समास विग्रह-नीला हो जो गगन, कर्मधारय समास।

व्याख्या— कर्मधारय समास के दोनों पदों के बीच विशेषण-विशेष्य या उपमान-उपमेय का संबंध होता है। यहाँ 'गगन' की विशेषता 'नीला' से बताए जाने के कारण कर्मधारय समास है।

(iv) त्रिवेणी, द्विगु समास है।

(v) ठंडा-गर्म, द्वंद्व समास है।

6. (i) पढ़ाई के लिए इतनी मेहनत! उतनी मेहनत से तो मुझे चक्कर आ जाता था।

(ii) मैं कमरे में इस तरह दबे पाँव आया कि माँ को खबर न हो।

(iii) पन्ने काले करना

(iv) खून जलाना-वर्षों तक खून जलाने के बाद रोहन को आई.ए.एस की परीक्षा में सफलता मिली।

(v) हाथ पाँव फूलना-कठिन परीक्षा के कठिन प्रश्न पत्र को देखकर राहुल के हाथ पाँव फूल गए।

खंड–'ग'
(पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

28 अंक

7. (i) विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। इसमें पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि सभी की बराबर की हिस्सेदारी है।

(ii) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—पहले धरती पर प्रत्येक जीव-जन्तु अपना अधिकार समझते थे और मिल-जुलकर रहते थे। यह 'वसुधैव कुटुंबमक' के सिद्धांत पर आधारित है जिसके तहत सारा विश्व एक परिवार माना जाता है और सभी मिल-जुलकर रहते हैं।

अत: कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

(iii) विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—पहले जो संयुक्त परिवार बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में मिल-जुलकर रहते थे अब छोटे-छोटे डिब्बों जैसे घरों में सिमट कर रह गए हैं।

(iv) विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—बढ़ती जनसंख्या ने समंदर को पीछे सरकाना शुरु कर दिया है।

अत: कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

(v) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या— 1. प्रदूषण ने — (iii) पक्षियों को बेघर किया

2. बढ़ती आबादी ने — (i) पेड़ साफ़ कर दिए

3. परिवार की — (ii) परिभाषा बदल गई

8. (i) बड़े भाई साहब और छोटे भाई के पढ़ाई के प्रति अलग-अलग दृष्टिकोण थे। बड़े भाई साहब पढ़ाई और परीक्षाओं को बहुत गंभीरता से लेते थे। वे पढ़ाई के लिए अनुशासन और निरंतर प्रयास को माध्यम मानते थे जबकि इसके विपरीत छोटा भाई खेल-कूद को अधिक महत्त्व देता था। वह पढ़ाई के प्रति बहुत गंभीर नहीं था। वह मानता था कि वह पढ़ें या न पढ़ें परीक्षा में अव्वल वही आएगा।

(ii) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ में लेखक ने कई ऐसे आंदोलनकारियों के बारे में लिखा है जो गुमनाम हैं। जिनका उल्लेख किसी भी इतिहासकार ने नहीं किया है। शायद इसके पीछे लेखक की मंशा उन्हें इतिहास में उचित स्थान देना है। लेखक यह दिखाना चाहता है कि संघर्ष और बलिदान केवल कुछ गिने-चुने व्यक्तियों तक सीमित नहीं थे। यह प्रयास हमें अपने इतिहास को व्यापक दृष्टिकोण से देखने और गुमनाम नायकों के प्रति सम्मान प्रकट करने की सीख देता है।

(iii) प्रेम सबको जोड़ता है और घृणा लोगों के बीच दूरियाँ बढ़ाती है। लेकिन जो समास से नफरत और द्वेष मिटाने के लिए अपने जीवन का बलिदान करता है उसका बलिदान कभी व्यर्थ नहीं होता। समास उसके बलिदान को हमेशा याद रखता है। तँतारा-बामीरों के त्यागमयी बलिदान ने आगामी पीढ़ी को नई राह दिखाई। लोग प्रेम से एकजुट होने लगे और रूढियों के बंधन को तोड़कर एक नई सोच अपनाने लगे।

(iv) 'गिन्नी का सोना' पाठ में दिया गया प्रसंग इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि इससे यह संदेश मिलता है कि आदर्शवादी होने के साथ-साथ व्यावहारिक होना ज़रूरी होता है और समाज की उन्नति तभी संभव है जब लोग नैतिक मूल्यों को अपनाएँ। परोपकार और ईमानदारी के मार्ग पर चलकर समाज में फैली बुराइयों का अंत किया जा सकता है। यही समाज को विघटन से बचाने का एकमात्र तरीका है।

9. (i) विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—1857 के स्वतंत्रता संग्राम में प्रयुक्त तोप को ईस्ट इंडिया कंपनी ने बनाया था।

(ii) विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—काव्यांश में तोप अपनी विशेषता बताते हुए कहती है कि 1857 में उससे ज़्यादा शक्तिशाली कोई नहीं था, उसने कई वीरों को मारा था, इसलिए उसे अपनी क्षमता पर गर्व था।

(iii) विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—15 अगस्त और 26 जनवरी भारत की स्वतंत्रता के दो उत्सव हैं। इन्ही अवसरों पर कंपनी बाग को सजाया जाता है और तोप को चमकाया जाता है।

(iv) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—हमारे शूरवीरों को मौत के घाट उतारने वाली तोप को हमने इसलिए सँभालकर रखा है ताकि वह देश

सभी पीढ़ियों को स्वतंत्रता विरोधी ताकतों से सावधान रहने की सीख दे। यह तोप हमें हमेशा अपने इतिहास में की गई गलतियों की याद दिलाती रहे।

(v) विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—तोप कंपनी बाग के मुहाने अर्थात् प्रवेशद्वारा पर रखी हुई है।

10. (i) निंदक नियरे ..... करे सुभाय॥' इस दोहे में कबीर यह कहते हैं कि हमें अपने निंदकों (आलोचकों) को पास रखना चाहिए, क्योंकि निंदकों की आलोचना हमें अपनी कमियों को पहचानने और उन्हें सुधारने का मौका देती है। इनके द्वारा की गई आलोचना बिना साबुन-पानी के ही हमारे स्वभाव को स्वच्छ बनाकर हमें आत्मविश्वास का अवसर देती है। कबीर का यह विचार सही है, लेकिन हमें यह देखना चाहिए कि आलोचना निष्पक्ष और सार्थक हो।

(ii) 'मनुष्यता' कविता में कवि मैथिलीशरण गुप्त ने लोगों से परोपकार, सहानुभूति और करुणा जैसे गुण अपनाने की अपेक्षा की है। लोग अपने स्वार्थ और अहंकार को त्याग कर मानव कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करें। दीन-दुखियों और ज़रूरतमंदों की सहायता करें और अपनत्व की अनुभूति से प्रेरित होकर एक साथ चलें। कवि का मानना है कि यदि किसी देश को समृद्ध, उन्नत और साशक्त बनाना है, तो वहाँ ऐसे उदार व्यक्तियों का होना ज़रूरी है, जो समाज और राष्ट्र के हित में कार्य करें। वे अपने निस्वार्थ सेवा और त्याग से देश को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं।

(iii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने पर्वत को दृढ़ता, स्थिरता, सहनशीलता और महानता का प्रतीक बताया है। कवि विशाल पर्वत की गगनचुम्बी ऊँचाइयों को देखकर आश्चर्यचकित हो रहे हैं। उनका कहना है कि पर्वतों से गिरनेवाले झरने उनकी ऊँचाई और भव्यता को और भी आकर्षक बनाते हैं। यहाँ पर फैली हरियाली उनके जीवनदायी रूप को दर्शाते है। कवि की दृष्टि में यह पर्वत मात्र भौगोलिक रूप से ही विशाल नहीं है, बल्कि एक आध्यात्मिक विशालता को भी दर्शाते हैं।

(iv) 'आत्मत्राण' कविता की प्रार्थना अन्य पारंपरिक प्रार्थनाओं से भिन्न है, क्योंकि इसमें कवि ईश्वर से किसी भौतिक सुख-संपत्ति या व्यक्तिगत लाभ की याचना नहीं करता, बल्कि आत्मबल, साहस और सच्चाई के मार्ग पर चलने की शक्ति माँगता है। वह ईश्वर से यह प्रार्थना करता है कि वह किसी भी परिस्थिति में अन्याय का साथ न दें, बल्कि किसी भी भय या प्रलोभन से बचते हुए अपने सिद्धांतों पर अडिग रहकर अपने आत्म-सम्मान को बनाए रखे।

11. (i) हरिहर काका को वृद्धावस्था में बहुत-सी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बढ़ती उम्र के कारण हरिहर काका शारीरिक रूप से कमज़ोर हो गए थे। उन्हें शारीरिक देख-भाल के साथ भावनात्मक सहारे की भी ज़रूरत थी, लेकिन हरिहर काका परिवार में रहते हुए भी असुरक्षा और अकेलापन महसूस करते थे। कोई भी उनकी देखभाल नहीं करना चाहता था। उनके परिवारजन, रिश्तेदारों तथा महंत जैसे लोगों में उनकी संपत्ति का लोभ था और उसे पाने के लिए उन्होंने हरिहर काका को बहुत मानसिक तनाव और दुख भी दिए। बुज़ुर्गों को शारीरिक देख-भाल के साथ भावनात्मक सहारे की भी जरूरत होती है जिसका ध्यान रखा जाना आवश्यक है। साथ ही उन्हें सामाजिक गतिविधियों और समुदाय के कार्यों से जोड़े रखना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से सक्रिय और खुशहाल रहें।

(ii) भाषा संचार का एक माध्यम है जिसके द्वारा हम विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। लेकिन अलग-अलग भाषा होने के बावजूद भी यह भावनाओं की अभिव्यक्ति में कभी भी बाधा नहीं बनती है। यदि मनुष्य के भीतर आपसी समझ, प्रेम और सहयोग की भावना हो, तो भाषा की भिन्नता भी संचार को रोक नहीं सकती। भाषा लोगों को जोड़ने का एक ज़रिया है, न कि दूरी बढ़ाने का कारण। अगर इरादे सच्चे हों और भावनाएँ स्पष्ट हों, तो भाषा की विविधता संचार में बाधा नहीं डालती, बल्कि इसे और समृद्ध बनाती है। मेरा पड़ोसी परिवार दक्षिण भारतीय है और वे केवल तमिल और अंग्रेज़ी बोलते हैं और मेरी माताजी हिंदी के अतिरिक्त कोई भी भाषा नहीं बोल पाती हैं। भाषा अलग होने के बावजूद वे इशारों, टूटी-फूटी हिंदी-तमिल और भावनाओं के माध्यम से अच्छे मित्र बन गए हैं।

(iii) मेरा घनिष्ठ मित्र किसी दूसरे मज़हब का है, लेकिन हमारे रिश्ते में कभी भी धर्म आड़े नहीं आया। वह जब भी मेरे घर आता है, तो उसका स्वागत पूरे आदर, प्रेम और अपनत्व के साथ किया जाता है। हमारी धार्मिक मान्यताएँ अलग-अलग होने के कारण हमारे त्योहार, रीति-रिवाज और खान-पान की आदतें भी अलग-अलग हैं। हम उसकी धार्मिक मान्यताओं और खान-पान की आदतों का सम्मान करते हैं। हम एक-दूसरे के त्योहारों और परंपराओं का सम्मान करते हैं। दोस्ती और इंसानियत का स्थान धर्म से ऊपर होता है। मेरे घर में मेरे मित्र का स्वागत एक परिवार के सदस्य की तरह होता है। हमारा रिश्ता धर्म से ऊपर उठकर आपसी समझ और विश्वास पर टिका हुआ है।

खंड-'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. (i) **ओलिंपिक में भारत को रजत पदक**

भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में भाला फेंक (जेवलीन थ्रो) प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 89.54 मीटर का थ्रो फेंका। यह उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। नीरज ने अपने शानदार प्रदर्शन से यह साबित किया कि भारतीय एथलीट भी वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकते हैं। उनकी

इस उपलब्धि से पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई। उनकी मेहनत, समर्पण और अनुशासन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया है। नीरज चोपड़ा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और भविष्य में उनके स्वर्णिम प्रदर्शन की सभी को उम्मीद है।

(ii) **ई पुस्तकालय**

ई पुस्तकालय का तात्पर्य एक ऐसे पुस्तकालय से है जहाँ सूचना और अध्ययन सामग्री डिजिटल रूप से एकत्रित और संरक्षित करने के बाद पाठकों को उपलब्ध कराई जाती है। हम दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर अपने कम्प्यूटर या एंड्रॉयड मोबाईल से अपने समय और सुविधा के अनुसार सूचनाएँ और जानकारियाँ प्राप्त कर सकते हैं। आज ई पुस्तकालय के ज़रिए हर स्तर और हर तरह की जानकारी सरलता से उपलब्ध है। ई पुस्तकालय में संसाधनों की एक विशाल शृंखला होती है जो छात्रों को उनके ज्ञान का विस्तार करने, उनके शोध कौशल को निखारने और उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को उच्च स्तर पर पहुँचाने में सहायता करती है। डिजिटल पुस्तकालय या ई पुस्तकालय को परंपरागत पुस्तकालय की तरह संसाधनों के भौतिक भंडारण की ज़रूरत नहीं पड़ती है और इसमें कागज़ की खपत भी नहीं होती है, इसलिए यह पर्यावरण अनुकूल भी है। ई पुस्तकालय ने ज्ञान के विस्तार में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। इसने शिक्षा को सुविधाजनक तरीके से घर-घर पहुँचाकर सर्वजनसुलभ बना दिया है।

(iii) **कड़ाके की ठंड और सड़क का कुत्ता**

कल रात की ठिठुरती हुई सर्दी में जब पूरा शहर रजाइयों में दुबका था, मैं स्टेशन से अपने घर आ रही थी। अचानक मुझे ठण्ड, में ठिठुरती हुई कूं-कूं की आवाज़ सुनाई दी। जब मैंने पीछे मुड़कर देखा तो एक छोटे-से कुत्ते को अपने पीछे-पीछे आता हुआ पाया। मुझे उसे इस हाल में देखकर बहुत दुख हुआ। मैंने अपने बैग से एक पुरानी चादर निकालकर उसे ढक दिया और दो बिस्कुट भी खाने के लिए दिए। बिस्कुट खाते ही उसकी आँखों में एक अजीब-सी चमक आ गई, मानो वह धन्यवाद कह रहा हो। इस घटना ने मुझे सिखाया कि छोटी-छोटी दयालुता की बातें भी कितनी बड़ी होती हैं। हम सबको निरीह जीवों की सहायता और उनके लिए सुरक्षित ठिकाने और भोजन की व्यवस्था करनी चाहिए।

13. (i) सेवा में,

प्रधानाचार्या

अ. ब. स. विद्यालय,

कोलकाता

दिनांक xx.xx.xxxx

विषय—विद्यालय में फुटबॉल प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था करने हेतु पत्र।

महोदया,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा हूँ। आपके द्वारा अगले महीने होने वाली अंतविद्यालीय प्रतियोगिता को ध्यान में रखते हुए फुटबॉल प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था करने पर हम दिल से आपका आभार प्रकट करना चाहते हैं। प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में हमें खेल की तकनीकी बारीकियाँ सीखने और अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा तथा प्रतियोगिता में जीतने के हमारे अवसर बढ़ेंगे।

हम आपके इस सहृदय भाव के लिए आपके आभारी हैं और हम विश्वास दिलाते हैं कि हम अपने प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन करने का प्रयास करेंगे।

धन्यवाद,

आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या,

ओजस्विता,

कक्षा– दसवीं 'अ'

(ii) एक्शन एरिया-1

न्यूटाउन,

कोलकाता

दिनांक xx.xx.xxxx

सेवा में,

प्रबंधक,

दैनिक समाचारपत्र,

नई दिल्ली

विषय—बच्चों के बढ़ते स्क्रीन समय पर चिंता व्यक्त करने हेतु पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरा नाम ओजस्विता है और मैं अ. ब. स. विद्यालय कोलकाता की दसवीं कक्षा की छात्रा हूँ। आपके समाचारपत्र के माध्यम से एक गंभीर विषय पर समाज का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ। आजकल तकनीकी प्रगति और सामयिक आवश्यकताओं के कारण बच्चों का स्क्रीन समय बहुत अधिक बढ़ गया है। मोबाइल, टैबलेट, लैपटॉप और टेलीविज़न ने बच्चों के जीवन में गहरी पैठ बना ली है, जिससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है। बच्चे खेल के मैदान, परिवार और समाज से दूर होकर अपना अधिक-से-अधिक समय आभासी दुनिया में बिता रहे हैं। इससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर तो पड़ ही रहा है। साथ ही इसका उनके भावनात्मक और नैतिक मूल्यों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मुझे लगता है कि इस विषय पर अभिभावकों, शिक्षण संस्थाओं के साथ-साथ सरकार को भी जागरूक करना आवश्यक है।

अत: मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि इस विषय पर अपने समाचार पत्र में एक विस्तृत लेख प्रकाशित करें, जिससे समाज में इस समस्या को लेकर जागरूकता फैलाई जा सके।

धन्यवाद

भवदीया

ओजस्विता

कोलकाता

14. (i)

राजकीय वरिष्ठ विद्यालय, न्यूटाउन, कोलकाता

1 मार्च, 2025 समय 7:00 am.

अंतविद्यालीय 'संगीत प्रस्तुति' का आयोजन

सभी विद्यालयों को सूचित किया जाता है कि आगामी 12 मार्च, 2025 को सबुह 11.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक हमारे विद्यालय के मुख्य सभागार में अंतविद्यालीय 'कहानी लेखन' प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी अपना योगदान दे सकते हैं।

हिंदी अध्यापिका

देविका

(ii)

राजकीय वरिष्ठ विद्यालय, न्यूटाउन, कोलकाता

1 मार्च, 2025 समय 8:00 am.

जैकेट खोने की सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि कल 28 फरवरी को भोजनावकाश के दौरान मेरी जैकेट खेल के मैदान में छूट गई थी। उसमें मेरा विद्यालय पहचान पत्र भी हैं जिस छात्र-छात्रा को यह जैकेट मिला हो उसे कृपया करके अधोहस्ताक्षरी को वापस करने का कष्ट करें। इसके लिए मैं आभारी रहूँगी।

देविका

कक्षा-दसवी 'अ', क्रमांक-20

15. (i)

(ii)

16. (i)

मेहनत की फ़सल

खेतों में भुट्टे की लहलहाती फ़सल देखकर वहाँ से गुजरने वाला हर व्यक्ति कह उठता था—वाह! कितनी बढ़िया फ़सल है। मोहन ने दो-चार दिन में काटने की तैयारी कर ली थी, लेकिन अचानक तेज़ आँधी और बारिश आ गई। मोहन का दिल बैठ गया, पर उसने हार नहीं मानी। वह अपने परिवार और गाँववालों की मदद से जल्दी-जल्दी फ़सल काटने लगा। थोड़ी फ़सल खराब हो गई लेकिन वे ज़्यादा फ़सल बचाने में कामयाब रहे। आज सबने ये सीखा कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन हो, धैर्य और मेहनत से हमेशा रास्ता निकल सकता है।

(ii)

प्रेषक (From)- अपर्णा@gmail.com
प्रेषक (To)- जलबोर्ड अध्यक्ष @gmail.com
Cc
Bcc
विषय—मोहल्ले में जल आपूर्ति बाधित होने की शिकायत ?
माननीय अध्यक्ष महोदय,
मैं, अर्पणा, मोहल्ला सुधार समिति की सचिव, आपकों यह सूचित करना चाहती हूँ कि हमारे मोहल्ले में पिछले दो दिनों से जल आपूर्ति पूरी तरह से बाधित है। इससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
आपसे अनुरोध है कि जल्द से जल्द जल आपूर्ति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँ। आपकी शीघ्र कारवाई हेतु हम आपके आभारी रहेंगे।
धन्यवाद
अर्पणा
सचिव, मोहल्ला सुधार समिति

Delhi Set-2 **कोड-4/4/2**

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. (i) अत: उपरोत्त वाक्य का रेखांकित अंश संज्ञा पदबंध है।
व्याख्या—इस वाक्य में 'छींट की कलफ़ लगी कमीज़' का अंतिम पद 'कमीज' संज्ञा पद है।
(ii) वाक्य में 'इतनी-सी बात समझ सकता है' क्रिया पदबंध है।
(iii) वाक्य में 'काफ़ी महँगा वस्त्र है' विशेषण पदबंध है।
(iv) वाक्य के रेखांकित अंश में क्रिया-विशेषण पदबंध है।
(v) वाक्य में 'लड़को का एक गोल' संज्ञा पदबंध है।

4. (i) हेडमास्टर साहब की जो डिग्री थी वह यहाँ बेकार हो गई।
(ii) उनकी माताजी ने प्रबन्ध अपने हाथ में लिया और घर में लक्ष्मी आ गई है।
(iii) बड़े बाज़ार के प्राय: सभी मकानों पर राष्ट्रीय झण्डा फहरा रहा था । – रचना की दृष्टि से यह सरल वाक्य का भेद है।
(iv) बड़े-बड़े पार्क और मैदानों को पुलिस ने सवेरे से ही घेर लिया था ।

5. (क) (i) 'दोपहर' अर्थात् दो पहरों का समाहार, द्विगु समास है।
(ii) 'लौहपुरुष' कर्मधारय समास का उदाहरण है ।
(iii) 'आमरण' अव्ययीभाव समास का उदाहरण है। इसका विग्रह है मरण तक ।
(ख) (iv) युध में स्थिर—युधिष्ठिर तत्पुरुष समास है।
(v) श्वेत हैं अम्बर जिसके श्वेताम्बर कर्मधारय है।

6. (ख) (iii) 'आड़े हाथों लेना' खरी खोटी सुनाना ।
समय पर पैसे नहीं लौटाने पर सुनील ने मोहन को आड़े हाथों लिया ।
(iv) कफ़न सिर से बांधना।
(v) कँपकँपी छूटना अर्थात् घबराहट होना।

12. (i) 28 फरवरी, 2025
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय
राजकीय वरिष्ठ विद्यालय
कोलकाता

विषय: विद्यालय में बैडमिंटन प्रशिक्षक की व्यवस्था हेतु ।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेरा चयन राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए हुआ है । गत वर्ष अच्छे प्रशिक्षक के अभाव के कारण मैं आरंभिक चरण में ही प्रतियोगिता से बाहर हो गया था । प्रतियोगिता से बाहर होने पर मुझे इस बात का एहसास हुआ था कि यदि विद्यालय में एक अच्छा प्रशिक्षक होता तो शायद परिणाम कुछ और ही होता ।
अत: आपसे से सादर निवेदन है कि आप यथाशीघ्र विद्यालय में एक योग्य बैडमिंटन प्रशिक्षक की व्यवस्था करें। आशा है, आप मेरे इस निवेदन पत्र पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर मुझे अनुगृहीत करेंगे।
सधन्यवाद !
आपका आज्ञाकारी छात्र
ओजस्वी
कक्षा—दस
सेक्शन—(ब)
क्रमांक—1

12. (ii) 28 फरवरी, 2025

सेवा में,

संपादक महोदय

दैनिक समाचार

दिल्ली

विषय: विशेष स्तम्भ में कविता प्रकाशन हेतु ।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके समाचार पत्र की नियमित पाठक हूँ । मुझे आपके समाचार पत्र में नियमित प्रकाशित होने वाला स्तम्भ विशेष रूप से प्रिय है । शिक्षक दिवस के अवसर पर इस बार यह स्तम्भ 'मेरा प्रिय शिक्षक' शीर्षक से प्रकाशित होने जा रहा है । इस स्तम्भ के लिए मैं अपनी एक स्वरचित कविता 'दुग्गल सर की हिन्दी' प्रकाशन के लिए भेजना चाहती हूँ ।

अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि आप उपरोक्त स्तम्भ के लिए मेरी कविता को स्वीकार कर अनुगृहीत करें ।

सधन्यवाद !

भवदीय

ओजस्विता

16. (i) एक दिन सुबह उठा तो हाथी दल से उमड़ते-घुमड़ते बादलों को देख मन प्रसन्न हो गया। गर्मी से राहत पा मोहन रिक्शेवाले ने चैन की सांस ली थी । जैसे ही ठंडी हवा ने उसके सर को छुआ वह बुदबुदाया, 'चलो, आज नींद अच्छी आएगी और मेरे बच्चे भी चैन की नींद लेंगे।' घंटे भर की बारिश में वह जी भरकर भींगा और आँखें बंद कर ईश्वर को धन्यवाद दिया। उस दिन पूरी दुनिया उसे खुशहाल नज़र आई थी। उसे ऐसा जान पड़ा था मानों उस दिन बारिश नहीं बल्कि सुख बूंदों का रूप लेकर इस धरती पर उतर आए थे।

16. (ii)

प्रेषक–bhavna789@gmail.com

प्रेषिती–rbdfs26@gmail.com

CC: .....

BCC: .....

मच्छर मारने की दवाई के छिड़काव हेतु -

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके नगरपालिका स्थित आदर्श विद्या निकेतन की प्रधानाचार्य श्रीमती भावना जैन हूँ। मैं आपका ध्यान एक गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। विगत दिनों हुई वर्षा के कारण विद्यालय के पास जल भराव के कारण मच्छरों की संख्या बहुत बढ़ गई है जिससे आए दिन विद्यालय में बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

अत: आपसे नम्र निवेदन है कि आप उपरोक्त विषय पर यथाशीघ्र विचार कर संबंधित क्षेत्र में दवाई के छिड़काव की व्यवस्था करें ।

भावना जैन

Delhi Set-3 **कोड-4/4/3**

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. (i) 'पुलिस कमिश्नर का नोटिस' संज्ञा पदबंध है।

(ii) इसमें क्रिया-विशेषण पदबंध है।

(iii) पकड़ लिया गया था। क्रिया विशेषण पदबंध है।

व्याख्या—क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

(iv) इनमें विशेषण पदबंध है।

(v) 'झंडा लेकर भागने वाला वह' सर्वनाम पदबंध है।

4. (i) यहाँ भी बहुत सारा काम हो जाए इसलिए इस बारे में भी लोग सोचने लगे ।

(ii) संयुक्त वाक्य है।

व्याख्या—इसमें दो या दो अधिक सरल वाक्य योजकों से जुड़े होते हैं।

(iii) संयुक्त वाक्य है।

(iv) दो सौ आदमियों का जो जुलूस था वह लाल बाज़ार पहुंचकर गिरफ्तार हो गया।

(v) वॉलेंटियर अपने स्थान से लाठियां पड़ने पर भी हट नहीं रहे थे।

5. (i) घुड़सवार—घोड़े पर सवार, तत्पुरुष समास है।

(ii) 'नीलोत्पल' कर्मधारय समास का उदाहरण है।

(iii) 'त्रिवेणी' द्विगु समास का उदाहरण है पहला पद संख्यावाची होने के कारण।

(iv) सुलोचना-कर्मधारय समास है।

(v) खट्टा-मीठा-द्वन्द्व समास है।

6. (क) (i) पहले जैसा व्यवहार न करना ।

(ii) भारतीयों ने स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए ।

(iii) कमर कसना ।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. (i) रोज और रमायेरा प्रतिदिन की तरह विद्यालय जा रहे थे कि एक दिन रास्ते में छोटी लड़की रोती हुई मिली । वह पेड़ के नीचे बैठी थी और अपनी माँ को याद कर रही थी। दोनों उसके पास गई और उसके रोने का कारण पूछा। लड़की अपनी माँ से बिछुड़ गई थी। उसकी बात सुन रोज और रमायेरा उसे पास की पुलिस चौकी ले गईं। लड़की को वहाँ ले जाकर उन्होंने सारी बात बताई। थोड़ी देर बाद लड़की की माँ भी उसे ढूंढते हुए पुलिस चौकी पहुँची। वहाँ अपनी बेटी को देखकर उन्होंने उसे गले से लगा लिया और रोज और रमायेरा को धन्यवाद दिया। रोज और रमायेरा खुशी-खुशी विद्यालय की ओर चल पड़ी ।

12. (ii) प्रेषक–rajnish 57@gmail.com

प्रेषिती–mbdg90@gmail.com

CC: .....

BCC: .....

पार्क का सार्वजनिक आयोजन स्थल में बदलने में होने वाली असुविधा हेतु

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपकी नगरपालिका के अंतर्गत आने वाले देशबंधु नगर का बाशिंदा हूँ। इस मेल के जरिए मैं आपका ध्यान अपने इलाके के उस पार्क की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ जो सुबह-शाम बच्चे और बुजुर्गों का मिलन स्थल हुआ करता है। कुछ महीनों से इस पार्क में आए दिन कोई न कोई कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं । ऐसा होने से इलाके के बच्चे और बुजुर्ग बेहद प्रभावित हो रहे हैं ।

अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि आप उपरोक्त समस्या का यथाशीघ्र संज्ञान लेते हुए आवश्यक समाधान प्रस्तुत करें ।

रजनीश शुक्ल

15. (i) 28 फरवरी, 2025

सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय,

राजकीय वरिष्ठ विद्यालय

दिल्ली

विषय–विद्यालय की कैंटीन व्यवस्था में सुधार हेतु

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं अमृता आपके विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा हूँ। मैं आपका ध्यान विद्यालय की एक गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। हमारे विद्यालय की कैंटीन जो कि छात्रों की एक प्रिय जगह है इन दिनों वहाँ व्यापक अव्यवस्था देखने में आ रही है। खाने की गुणवत्ता में आयी गिरावट से छात्रों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और सफ़ाई पर भी विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

अत: आपसे सादर निवेदन है कि कृपया उपरोक्त विषय का संज्ञान लेते हुए उस पर यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही करें।

सधन्यवाद !

आपकी आज्ञाकारी छात्रा

अमृता खेरवार

कक्षा–दस

क्रमांक–23

(ii) 28 फरवरी, 2025

सेवा में,

प्रबंधक महोदय

प्रकाशन विभाग,

एन. सी. ई. आर. टी.

दिल्ली

विषय–बाज़ार में हिंदी पुस्तकों की अनुपलब्धता हेतु शिकायत

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं अमृत शर्मा केंद्रीय विद्यालय की कक्षा दसवीं का छात्र हूँ । इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थियों को होने वाली असुविधा की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। आपके प्रकाशन विभाग से प्रकाशित होने वाली पुस्तकों में हिंदी की पुस्तक की बाज़ार में अनुपलब्धता से विद्यार्थियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है । ऐसा होने से उनकी हिंदी की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि आप मेरी इस शिकायत पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे और मेरे साथ अन्य विद्यार्थियों को भी अनुगृहीत करेंगे ।

सधन्यवाद !

भवदीय

अमृत शर्मा

खंड-'क'
(अपठित बोध)

14 अंक

1. (i) **विकल्प (ग) सही है।**

व्याख्या—पिता सदैव कठोर व्यवहार से घर को संचालित नहीं करता, क्योंकि वह भीतर से सौम्य प्रकृति का होता है। उसका प्रेम दिखाई नहीं देता, बल्कि उसे महसूस किया जा सकता है। वह बच्चों की गतिविधियों में सौम्यतापूर्वक भागीदारी और सहयोग देता है, क्योंकि आज के भाग-दौड़ भरी ज़िंदगी में माता और पिता दोनों ही बच्चों के पालन-पोषण में समान भूमिका निभाते हैं।

अत: कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या करता है।

(ii) **विकल्प (ग) सही है।**

व्याख्या—अच्छी और सुसंस्कृत संतान के लिए बच्चों के पालन पोषण में माता-पिता दोनों की सहभागिता अपेक्षित है, क्योंकि माता और पिता दोनों की सहभागिता से ही बच्चों का उचित रूप से मानसिक और शारीरिक विकास हो पाता है।

(iii) **विकल्प (ख) सही है।**

व्याख्या—पारिवारिक ज़िम्मेदारियों के निर्वहन के मामले में आज की कामकाजी युवा पीढ़ी में सकारात्मक परिवर्तन आया है अब बच्चों की परवरिश में माता को पिता का पूर्ण सहयोग मिलता है और दोनों के सहयोग से ही घर को संभाल पाना संभव होता है।

(iv) कामकाजी माता-पिता पर संतान की शिक्षा, करियर, संस्कार और सामाजिक प्रतिष्ठा को लेकर दबाव बना रहता है। इन दबावों से उन्हें मुक्त करने के लिए हमें आत्मनिर्भर बनना चाहिए और माता-पिता को हर हाल में सहयोग करना चाहिए।

(v) पिता परिवार के लिए मुखिया और संचालक की भूमिका निभाता है। ज़रूरत पड़ने पर वह कठोर व्यवहार शारीरिक विकास के लिए उनके साथ हँसता-बोलता है, उनके क्रियाकलापों में सहयोग भी करता है। पिता की यही दो विरोधी बातें परिवार को सही दिशा में ले जाती हैं।

2. (i) **विकल्प (ग) सही है।**

व्याख्या—'स्वदेशीकरण' का अर्थ है स्वदेशी, परंपरागत और जैविक खाद्य एवं पेय पदार्थों के उत्पादन और विक्रय को बढ़ावा देना। जब देश में स्वदेशी उत्पादों की बिक्री बढ़ेगी तब आयात-निर्यात पर अपेक्षित प्रभाव पड़ेंगे और देश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। देश के किसान समृद्ध बनेंगे और देश आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

अत: कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या करता है।

(ii) **विकल्प (ख) सही है।**

व्याख्या—स्वदेशी भोजन एवं परंपरागत पेय पदार्थ फास्ट फूड एवं रसायनयुक्त पेय पदार्थों का करारा जवाब हैं, लेकिन जब तक सरकार उपभोक्ताओं को इन हर्बल ऑर्गेनिक सामानों को सहजता से उपलब्ध नहीं करवाएगी तब तक फास्ट फूड और रसायनयुक्त पेय पदार्थ से बचना मुश्किल होगा।

(iii) **विकल्प (घ) सही है।**

व्याख्या—साधारण ढाबों से लेकर पाँच सितारा होटलों तक परंपरागत, स्वदेशी तथा आर्गेनिक भोजन को उपलब्ध करवाकर तथा इनकी बिक्री के लिए विशेष व्यवस्था करके ही सरकार इन्हें उपभोक्ताओं में लोकप्रिय बना सकती है।

(iv) जब भारतीय उपभोक्ताओ में स्वदेशी, परंपरागत पेय पदार्थ, व्यंजन एवं मिष्ठान्न के प्रति रुचि बढ़ेगी तभी स्वदेशीकरण, समृद्ध किसान और आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा।

(v) हबैल फूड सेंटरी की सहायता से रोज़गार के अवसर को बढ़ाया जा सकता है, रासायनिक खेती से खराब होते खेतों को बचाया जा सकता है तथा मानव स्वास्थ्य को पोषण दिया जा सकता है। इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि हर्बल फूड सेंटर रोज़गार, कृषि और स्वास्थ्य के क्षेत्र में लाभदायक होंगे।

खंड-'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. (i) मैं रंग-बिरंगे कागज़ों की तितलियां उड़ता।—विशेषण पदबंध है।

(ii) 'खेल रहा था।' क्रिया पदबंध है।

व्याख्या—क्रिया पदबंध में मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रिया होती है।

(iii) 'दादा की गाड़ी कमाई के रुपए' संज्ञा संबंध है।

(iv) 'सुखद हरियाली' विशेषण पदबंध है।

व्याख्या—संज्ञा, सर्वनाम की विशेषता बताने वाले पद समूह विशेषण पदबंध कहलाते हैं।

(v) 'सुबह से शाम तक' क्रिया विशेषण पदबंध है।

4. (i) मैं यह लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता।

(ii) क्योंकि मेरे भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे, इसलिए मुझे हमेशा समझाते रहते थे।

(iii) सरल वाक्य है।

व्याख्या—इनमें एक स्वतंत्र खंड होता है।

(iv) मिश्र वाक्य है।

व्याख्या—इनमें एक मुख्य उपवाक्य और अन्य उपवाक्य उस पर आश्रित होते हैं।

(v) कार्तिक मास आ गई थी इसलिए हवा में ठंडक शुरू हो गई।

5. (i) समास विग्रह—गुल्ली और डंडा, द्वंद्व समास है।

(ii) आत्मा का विश्वास अर्थात स्वयं पर विश्वास, तत्पुरुष समास है।

(iii) 'प्रत्येक' अव्ययीभाव समास का भेद है क्योंकि इसमें पहला पद 'प्रति' एक अव्यय है और वह प्रधान भी है।

(iv) त्रिभुज द्विगु समास है।

(v) दशानन—दस हैं आनन जिसके अर्थात् रावण।

6. (i) परीक्षा में प्रथम आने के लिए रात दिन एक करना पड़ता है।

(ii) भाई साहब के सूक्ति वालों से तो मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते और मेरी हिम्मत टूट जाती।

(iii) हाथ पाँव फूलना—कठिन परीक्षा के कठिन प्रश्न पत्र को देखकर राहुल के हाथ पाँव फूल गए।

(iv) दबे पाँव आना मुहावरे का प्रयोग करें।

(v) परीक्षा में अनुतीर्ण होकर नामित ने अपने पिताजी के सपनों को धूल में मिला दिया।

खंड–'ग'
(पाठ्यपुस्तक पर आधारित)

28 अंक

7. (i) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—गद्यांश में ग्वालियर का उल्लेख करके लेखक ने यह बताया है कि वह पहले वहाँ रहता था और अब वह वर्सोवा में रहता है जो मुम्बई में है।

(ii) विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—जब लेखक वर्सोवा में रहने आया था तो उसने वहाँ का प्राकृतिक वातावरण बहुत समृद्ध पाया था। यहाँ दूर तक जंगल था जिसमें पेड़, परिंदे और दूसरे जानवर रहते थे। वर्सोवा समंदर के किनारे बसा था।

(iii) विकल्प (ख) सही है।

व्याख्या—कबूतरों के घर में अंदर जाने के रास्ते बन्द हो गए थे इसलिए वे अब एक खिड़की के बाहर रात भर बैठे रहते थे।

(iv) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—कबूतरों ने लेखक के फ्लैट में एक मचान में घोंसला बना लिया था। घोंसले में उनके बच्चे थे जिनको खिलाने पिलाने के लिए वे दिन में कई बार फ्लैट में आते-जाते रहते थे। आने-जाने के इस क्रम में वे चीजों को गिराकर तोड़ देते थे, इसलिए लेखक की पत्नी ने खिड़की में जाली लगवा दी और कबूतरों के घोंसले का स्थान बदल दिया।

अत: कथन सही है और कारण उसकी सही व्याख्या है।

(v) विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—शहरीकरण ने जीव जन्तुओं से उनके घर छीन लिए हैं। न जाने कितने परिंदे शहर छोड़ कर चले गए और जो नहीं जा सके उन्होंने यहाँ-वहाँ डेरा डाल लिया है।

8. (i) 'बुनियाद पुख्ता ना हो तो मकान कैसे पायेदार बने', इस कथन का आशय यह है कि किसी भी चीज़ को मज़बूती प्रदान करने के लिए उसेक आधार का मज़बूत होना बहुत ज़रूरी है। इसलिए मनुष्य के जीवन को सफल बनाने के लिए शिक्षा रूपी नींव का मजबूत होना बहुत आवश्यक है।

(ii) धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर पुलिस ने सुभाष बाबू को पकड़ लिया। पुलिस की लाठी चार्ज में कुछ लोग घायल हुए। पुलिस धरने पर बैठी करीब 50-60 महिलाओं को भी पकड़ कर लाल बाज़ार ले गई। इस कारण आंदोलनकारियों का जुलूस टूट गया था।

(iii) रूढ़ियाँ समाज को अनुशासित करने के लिए बनाई जाती है, लेकिन कभी-कभी इनके कारण लोगों में द्वेष फैलता है और मनुष्य की भावनाओं को ठेस पहुँचती है। तँतारा-वामीरो को भी इन्हीं रूढ़ियों के कारण अपनी जान गँवानी पड़ी थी। जो रूढ़ियाँ किसी का भला करने के स्थान पर नुकसान करें उनका टूट जाना ही बेहतर होता है।

(iv) 'झेन की देन' पाठ के माध्यम से लेखक समाज को यह संदेश देना चाहता है कि जो वर्तमान क्षण है वही सत्य है। बीते दिनों की यादें और भविष्य की कल्पनाएँ मनुष्य को तनाव देती है। इन्हें भूल कर वास्तविकता में जीना और वास्तविकता का भरपूर आनंद लेना है जीवन का मूल उद्देश्य होन चाहिए।

9. (i) विकल्प (ग) सही है।

व्याख्या—'सिर हिमालय का हमने ना झुकने दिया'—इस पंक्ति में 'हिमालय' भारत के स्वाभिमान, गर्व और शान का प्रतीक है। कवि कहता है कि हम अपने देश की रक्षा और सम्मान की सुरक्षा के लिए हर समय बलिदान देने को तैयार हैं।

(ii) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—'साँस थमती गई नब्ज़ जमती गई'—पंक्ति के संदर्भ में सैनिकों की इस स्थिति का कारण हिमालय की विपरीत प्राकृतिक परिस्थितियाँ हैं। चीनी आक्रमण के समय भारतीय जवानों ने हिमालय की बर्फ़ीली चोटियों पर लड़ाइयाँ लड़ी थी। इस बर्फ़ीली ठंड में उनकी साँस घुटने लगी थी और तापमान कम होने के कारण नब्ज़ भी जमने लगी थी।

(iii) विकल्प (क) सही है।

व्याख्या—भारत-चीन युद्ध के समय हिमालय की बर्फ़ीली चोटियों पर मौसम बिल्कुल प्रतिकूल था। तापमान निरंतर कम हो रहा था और ठंड के कारण साँस रुक रही थी और नब्ज भी जम रही थी। फिर भी देश की स्वतंत्रता और सुरक्षा भारत के सैनिकों के लिए सर्वोपरि थी, इसलिए अत: कथन सही है और कारण भी उसकी सही व्याख्या करता है।

(iv) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—शहीद होने वाले सैनिक को इस बात का गर्व है कि उसने अपनी आखिरी साँस तक अपने देश की रक्षा की है।

(v) विकल्प (घ) सही है।

व्याख्या—'कर चले हम फ़िदा' कविता में 'फ़िदा' का अर्थ है अपने देश के लिए बलिदान होने के लिए तैयार रहना। कवि ने इस कविता में बलिदान के मार्ग पर आगे बढ़ने वाले वीरों की बात की है।

10. (i) कबीर की साखियाँ जीवन के अनुभवों पर आधारित हैं। उनकी प्रत्येक साखी मनुष्य को जीवन जीने की सीख देती हुई प्रतीत होती है। इन साखियों से हमें कई जीवन मूल्यों की झलक मिलती है, जैसे—मनुष्य को सदैव ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जिससे बोलने और सुनने वाले दोनों को सुख और शीतलता मिले। मनुष्य को अपने अहंकार का त्याग करना चाहिए और अपने आलोचकों को अपने आसपास जगह देनी चाहिए ताकि उसके स्वभाव में परिष्कार हो सके।

(ii) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि वर्षा ऋतु का वर्णन करते हुए कहते हैं कि जब बादल पर्वतों से टकराते हैं तो ऐसा लगता है मानो पर्वत और पेड़ उन्हीं बादलों में छुप गए हैं। बादलों के बीच पर्वत दिखाई नहीं पड़ता, ऐसा लगता है मानो बादल किसी पंछी के भाँति पंख लगाकर उड़ गए हो।

(iii) 'मनुष्यता' कविता में कवि मैथिली शरण गुप्त ने लोगों से परोपकार, सहानुभूति और करुणा जैसे गुण अपनाने की अपेक्षा की है। कवि चाहते हैं कि लोग अपने स्वार्थ और अहंकार को त्याग कर मानव कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करें। कवि यह भी चाहते हैं कि लोग दीन-दुखियों और ज़रूरतमंदों की सहायता करें और अनुभूति से प्रेरित होकर एक साथ चलें।

(iv) 'दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप, एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बन्द' इन पंक्तियों के माध्यम से कवि यह बताना चाहते हैं कि समय परिवर्तनशील होता है। कोई भी सत्ता चाहे कितनी भी शक्तिशाली क्यों ना हो, एक न एक दिन उसका समाप्त होना तय है। शासन चाहे कितना भी क्रूर, कठोर या निरंकुश हो एक न एक दिन उसे झुकना ही पड़ता है।

11. (i) हरिहर काका को अपने जाल में फसाने के लिए महंत जी ने सबसे पहले स्वयं अपने हाथों से हरिहर काका को स्वादिष्ट भोजन परोसा और उनके पास बैठकर धर्म चर्चा की। संसार को माया का बंधन बताते हुए ईश्वर में मन लगाने के लिए कहा आर अपनी सारी संपत्ति मठ को दान देने की सलाह दी। आजकल बुज़ुर्गो के साथ साइबर अपराध बढ़ते जा रहे हैं, क्योंकि अधिकांश बुज़ुर्गों को तकनीकी मामलों जानकारी नहीं होती है। उन्हें साइबर क्राइम से बचाने के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाए जा सकते हैं—ऑनलाइन सुरक्षा की जानकारी देना, मजबूत पासवर्ड बनाना सिखाना, ऑनलाइन लेनदेन में सतर्कता बरतने को कहना, संदेहजनक कॉल और मैसेज के प्रति सतर्क रहने के लिए कहना और साइबर अपराध होने की परिस्थिति में हेल्पलाइन की जानकारी देना। अगर बुज़ुर्गों को सही मार्गदर्शन दिया जाए तो वह भी आसानी से साइबर अपराध से सुरक्षित रह सकते हैं।

(ii) टोपी शुक्ला में दिखाई गई इरफान और टोपी की मित्रता यह दर्शाती है कि दो अलग-अलग धर्म के लोगों के बीच में भी दोस्ती और प्रेम का रिश्ता हो सकता है। वास्तव में रिश्तों की बुनियाद प्रेम होती है, जाति, धर्म या परिवार नहीं। टोपी और इरफान दो अलग धर्म के थे। उन दोनों के बीच कोई खून का रिश्ता नहीं था, बल्कि प्रेम का रिश्ता था। टोपी अपने घर के सदस्यों के साथ प्रेम के अभाव में कोई रिश्ता नहीं बना पाया लेकिन इरफान की दादी और घर की नौकरानी सीता के साथ उसका दिली लगाव था। प्रेम के कारण टोपी के मन में कभी भी जाति, धर्म, उम्र, पद मालिक-नौकर का भेद नहीं आ पाया। जहाँ उसे प्रेम मिलता है वहीं उसके नए रिश्ते बन जाते हैं। इस प्रकार निसंदेह कहा जा सकता है कि प्रेम मानवीय रिश्तों की बुनियाद है।

(iii) बच्चों को अनुशासित, सक्रिय और मिलनसार बनाने में खेलकूद का एक विशेष महत्त्व है। खेलकूद हमारे शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत आवश्यक हे। यह व्यक्ति के मन में सहयोग की भावना, मेलजोल रखने की समझ और हार जीत को समान समझने के जीवन मूल्यों को उभारता और मज़बूत बनाता हैं इन्हीं मानव मूल्यों को अपनाकर व्यक्ति अच्छा इंसान बनता है। खेलों के कारण जीवन में रुचि बढ़ती है, मन में साहस, हिम्मत और आत्मविश्वास पनपता है, इसलिए बच्चों के लिए पढ़ाई जितनी आवश्यक है उतना ही महत्वपूर्ण खेलना भी है।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. (i)

कम्प्यूटर युग

वतर्मान युग की बदलती आवश्यकताओं ने कंप्यूटर को हमारे दैनिक जीवन का एक अनिवार्य तत्व बना दिया

है। आज जीवन का प्रत्येक क्षेत्र में कंप्यूटर का उपयोग हो रहा है क्योंकि इसने काम को आसान और तेज़ बना दिया है। शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, संचार और मनोरंजन जैसे क्षेत्रों में कंप्यूटर का व्यापक उपयोग अनेक तरह की सुविधाएँ प्रदान करता है। यह वतर्मान युग में आपसी संचार सुविधाओं, सूचना प्राप्ति, कार्य निर्देश, उच्चतम स्तर की गणना शक्ति और गतिविधियों को नए रचनात्मक तरीके से संचालित करने का एक महत्त्वपूर्ण साधन बन गया है। कंप्यूटर क्रांति ने पूरी दुनिया को बदलकर रख दिया है। बीसवीं सदी के अंत में शुरू हुई इस क्रांति ने विज्ञान, व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा और संचार के क्षेत्रों में नई ऊँचाइयाँ स्थापित की हैं। कंप्यूटर ने काम को तेज़, आसान और सटीक बना दिया है। कंप्यूटर ने समय और श्रम की बचत करके इंसान के जीवन को अधिक सुविधाजनक बना दिया है। इसलिए आज का समय कंप्यूटर का युग कहलाता है।

(ii) **जीवन का सच्चा सुख संतोष में**

'संतोषं परमं सुखं' – संतोष वह मूलमंत्र हो जो मनुष्य के जीवन की समस्त कठिनाइयों को दूरकर उसे आत्मिक शांति और सुख की राह दिखलाता है। यही सफल और साथर्क जीवन का मार्ग है। एक वस्तु की इच्छा की पूर्ति होने के बाद दूसरी वस्तु की या उससे अधिक की इच्छा करना मनुष्य का स्वभाव है। इच्छाओं की निरन्तरता और आवश्यकता से अधिक पाने की इच्छा से चिंता उत्पन्न होती है, फिर यही चिंता मनुष्य के सारे दुखों का कारण बन जाती है, क्योंकि इच्छाओं का कोई अंत नहीं होता है। जो व्यक्ति संतोष की महिमा को समझकर इसे अपना लेता है उससे अधिक सौभाग्यशाली और सुखी व्यक्ति इस समस्त संसार में कोई दूसरा नहीं हो सकता है। संतोष हमें आंतरिक शांति और आत्मविश्वास देता है। इसलिए, हमें हमेशा मेहनत के साथ संतोष का भाव भी रखना चाहिए। संतोष ही सच्ची संपत्ति है और यही हमें वास्तविक सुख देता है।

(iii) **किसी खेल का आँखों देखा वर्णन**

पिछले रविवार मैं अपने कुछ मित्रों के साथ स्टेडियम में मोहन बगान और ईस्ट बंगाल के बीच फुटबॉल मैच देखने गई थी। दोनों टीमें मैदान में उतरीं और मैच शुरू हो गया। खिलाड़ी तेज़ी से एक-दूसरे को बॉल पास करके विरोधी पक्ष के गोलपोस्ट में गोल डालने की लगातार कोशिश कर रहे थे। पहले हाफ में मोहन बगान के खिलाड़ी ने शानदार ड्रिब्लंग करते हुए लगातार दो गोल कर दिए। सबको लगने लगा कि अब ईस्ट बंगाल की टीम हार जाएगी। दूसरे हाफ में ईस्ट बंगाल ने भी दो गोल करके मैच बराबरी पर ला दिया। मैच रोमांचक होने से दशर्कों का उत्साह बढ़ गया था। लोग तालियाँ और सीटियाँ बजाकर अपनी-अपनी टीम का मनोबल बढ़ा रहे थे। आखिरी मिनट में मोहन बगान के एक खिलाड़ी ने एक लंबा शॉट मारा और गेंद सीधे गोलपोस्ट में चली गई। मोहन बगान के समथर्क खुशी से झूम उठे। मैच वाकई बहुत रोमांचक था।

13. (i) सेवा में,

प्रधानाचार्या

अ. ब. स. विद्यालय

कोलकाता

दिनांक xx.xx.xxxx

विषय—विद्यालय में फुटबॉल प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था करने हेतु पत्र।

महोदया,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा हूँ। हमारे विद्यालय में प्राय: सभी खेल खेले जाते हैं और सभी खेलों के लिए विद्यालय की तरफ से प्रशिक्षित कोच की व्यवस्था की गई है। किंतु, कुछ समय से फुटबॉल प्रशिक्षक (कोच) का स्थान रिक्त पड़ा है जिसके कारण छात्रों को अभ्यास करने में असुविधा हो रही है। अगले महीने हमारे विद्यालय की टीम को फुटबॉल की अंतर्विद्यालीय प्रतियोगिता में भी भाग लेना है।

अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि विद्यालय में फुटबॉल प्रशिक्षक (कोच) की अतिशीघ्र व्यवस्था कराने की कृपा करें।

धन्यवाद,

आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या,

निहारिका,

कक्षा- दसवीं 'अ'

(ii) सेवा में,

प्रबंधक,

दैनिक समाचारपत्र,

नई दिल्ली

विषय—पद्मश्री मुरलीकांत पेटकर पर प्रकाशित फीचर की कॉपी मँगाने हेतु पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मेरा नाम निकिता है और मैं अ. ब. स. विद्यालय कोलकाता की दसवीं कक्षा की छात्रा हूँ। आपके समाचारपत्र में दिनांक xx.xx.xxx को पैरा ओलंपिक में स्वर्ण पदक पाने वाले पद्मश्री मुरलीकांत पेटकर पर एक फीचर छापा गया था। इस फीचर में उनके अटूट उत्साह और कभी हार न मानने वाले रवैये का विस्तृत विवरण दिया गया है। महोदय मुझे इस फीचर को पढ़कर बहुत प्रेरणा मिली

और जीवन के संघर्ष से लड़ने के लिए मैं बार-बार इसे पढ़ना चाहती हूँ। अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि आप मुझे इस फीचर की एक कॉपी यथाशीघ्र उपलब्ध कराने कृपा करें । मैं सदा आभारी रहूँगी।

धन्यवाद

भवदीया

निकिता

कोलकाता

14. (i) सूचना लेखन

अ. ब. स. विद्यालय, न्यूटाउन, कोलकाता

1 मार्च, 2025 समय: 7:00 a.m.

अंतर्विद्यालीय 'संगीत प्रस्तुति' का आयोजन

सभी विद्यालयों को सूचित किया जाता है कि आगामी 12 मार्च, 2025 को अपराह्न 3.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक हमारे विद्यालय के मुख्य सभागार में अंतर्विद्यालीय 'संगीत प्रस्तुति' का आयोजन किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी अपना योगदान दे सकते हैं।

सचिव, विद्यालय छात्र परिषद

विभा

(ii)

अ. ब. स. विद्यालय, न्यूटाउन, कोलकाता

1 मार्च, 2025 समय: 8:00 a.m.

वृक्षारोपण समारोह का आयोजन

हमें आप सबको यह सूचित करते हुए गर्व हो रहा है कि हमारी मुहल्ला समिति ने 13 मार्च, 2025 को सोसायटी में वृक्षारोपण समारोह का आयोजन किया है। आप सभी को इस समारोह में भाग लेकर दो पौधे लगाना अनिवार्य है।

सचिव, अ. ब. स. सोसायटी

विभा

15. (i)

(ii)

16. (i) स्वतंत्रता का उत्सव

स्वतंत्रता दिवस का सूरज उगा और पूरा माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया। चारों ओर तिरंगे झंडे लहरा रहे थे और बच्चे उल्लास से भरे थे। पार्क में छोटे-बड़े सभी लोग आसमान में पतंगें उड़ा रहे थे, जो स्वतंत्रता का प्रतीक बन गई थीं। रवि ने अपनी पतंग उड़ाते हुए दादा जी से पूछा, क्या आजादी ऐसे ही आसमान में उड़ने जैसी होती है? दादा जी मुस्कुराए और बोले, हाँ बेटा, लेकिन इस पतंग की तरह आजादी को बनाए रखना भी जरूरी है। रवि ने गर्व से तिरंगे रंग की पतंग को और ऊँचा उड़ाया, मानो स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प ले रहा हो।

(ii)

प्रेषक (From): अ.ब.स.@gmail.com

प्रेषिती (To): स्वास्थ्य अधिकारी@gmail.com

Cc:

Bcc:

विषय—डेंगू और चिकनगुनिया के बढ़ते मामलों पर चिंता एवं समाधान की आवश्यकता

माननीय स्वास्थ्य अधिकारी महोदय,

मैं आपके ध्यान में यह लाना चाहता/चाहती हूँ कि हमारे क्षेत्र में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण डेंगू और चिकन गुनिया के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ बढ़ रही है, जिससे स्थित चिंताजनक हो गई है। कृपया तत्काल फॉगिंग, दवा छिड़काव और सफाई अभियान चलाकर इस समस्या का समाधान करें। लोगों को जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जाएँ। आशा है कि आप शीघ्र आवश्यक कदम उठाएँगे।

धन्यवाद

अ. ब. स. संस्थान, न्यूटाउन, कोलकाता

Outside Delhi Set-2 **कोड-4/6/2**

खंड–'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. **(i)** एक ललित निबंध
व्याख्या—एक ललित निबंध संज्ञा पदबंध है।

(ii) समझ नहीं सकता है।
व्याख्या—समझना क्रिया के विस्तार होने के कारण क्रिया पदबंध है।

(iii) विशेषण पदबंध
व्याख्या—'भाई साहब' की विशेषता बताने के कारण विशेषण पदंबध है।

(iv) नीचे के तरफ
व्याख्या—फिसलने क्रिया की विशेषता बताने के कारण क्रियाविशेषण पदंबध है।

(v) विशेषण पदबंध
व्याख्या—हष्ट-पुष्ट द्वारा पशुओं की विशेषता बताए जाने के कारण विशेषण पदबंध है।

4. **(i)** जो सफल खिलाड़ी होता है, उसका कोई निशाना खाली नहीं जाता।

(ii) मेरे दरजे में आने पर दाँतों पसीना आ जाएगा।

(iii) मिश्रित वाक्य
व्याख्या—व्यधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय से जुड़े होने के कारण मिश्रित वाक्य है।

(iv) संयुक्त वाक्य
व्याख्या—समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय से जुड़े होने के कारण संयुक्त वाक्य है।

(v) मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा बड़ा रहूँगा।

5. **(i)** बिना काम का - अव्ययीभाव समास
व्याख्या—पहला पद प्रधान होने के कारण अव्ययीभाव समास है।

(ii) नवनिधि द्विगु समास का उदाहरण है क्योंकि इसका पूर्व पद संख्यावाची है और उत्तर पद प्रधान है।

(iii) माता-पिता
व्याख्या—माता और पिता में दोनों पद प्रधान हैं। इसलिए द्वंद्व समास है।

(iv) कांतिहीन-तत्पुरुष समास
व्याख्या—कारक चिन्ह के लोप होने तथा द्वितीय पद के प्रधान होने के कारण तत्पुरुष समास है।

(v) ध्यानमग्न

6. **(i)** परीक्षा में प्रथम आने के लिए रात-दिन एक करनी पड़ती है।

(ii) हँसी-खेल होना - आसान कार्य
व्याख्या—नदी पार करना हँसी-खेल नहीं है।

(iii) परीक्षा में प्रथम आने के लिए उसने बहुत पापड़ बेले।

(iv) 'बुरी तरह पीड़ा पहुँचाना' मुहावरे का अर्थ है- खाल खींचना।

(v) घर में लड़ाई होने की वजह से दोनों परिवारों में दीवार खड़ी हो गई।

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
वायु सेना विद्यालय
गोरखपुर

विषय—विद्यालय कैंटीन व्यवस्था में सुधार हेतु सुझाव

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि मैं कक्षा 10 वीं की छात्रा तन्वी हूँ। मैं विद्यालय कैंटीन की व्यवस्था में कुछ सुधार हेतु आपके समक्ष कुछ सुझाव रखना चाहती हूँ।

1. कैंटीन में स्वच्छता बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण किया जाए।
2. छात्रों को स्वस्थ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए।
3. अधिक भीड़ से बचने के लिए टोकन प्रणाली लागू की जाए।
4. खाद्य पदार्थों की कीमत उचित रखी जाए ताकि सभी विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें।

यदि इन सुझावों पर ध्यान दिया जाए, तो विद्यालय कैंटीन और अधिक व्यवस्थित एवं लाभदायक हो सकती है। कृपया इस ओर उचित कदम उठाने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपकी आज्ञाकारी शिष्या
तन्वी
कक्षा 10वीं
अनुक्रमांक 121

अथवा

सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
लखनऊ

विषय—विद्यालय में आयोजित पुस्तक मेले की रिपोर्ट प्रकाशन के संदर्भ में।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि मैं कक्षा 10 वीं की छात्रा तन्वी आपके प्रतिष्ठित समाचार पत्र के माध्यम से हमारे विद्यालय में आयोजित पुस्तक मेले की जानकारी साझा करना चाहती हूँ।

दिनांक 28.02.2025 को हमारे विद्यालय वायु सेना विद्यालय में एक भव्य पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में विभिन्न प्रकाशकों द्वारा ज्ञानवर्धक और मनोरंजक पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने बड़ी संख्या में इसमें भाग लिया। मेले में साहित्य, विज्ञान, इतिहास, कला और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों की विशेष माँग रही।

यह मेला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी रहा। कृपया इसे अपने समाचार पत्र में प्रकाशित करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

भवदीया

तन्वी

कक्षा 10वीं

16. लघुकथा: वर्षा की झड़ी

वर्षा क्या आई, झड़ी लग गई पूरा गाँव जलमग्न हो गया। सड़कों पर पानी बहने लगा, खेत तालाब बन गए। बच्चे बारिश में कागज़ की नावें चलाने लगे, तो किसान चिंता में डूब गए। रामू काका की झोपड़ी टपकने लगी, पर वे मुस्कुरा कर बोले, अभी तो शुरूआत है।

रात होते-होते बारिश तेज़ हो गई। गाँव के तालाब का पानी उफनने लगा। अचानक रामू काका चिल्लाए, 'बाँध टूट रहा है!' गाँव के लोग जाग गए, एकजूट होकर मिट्टी की बोरियाँ लगाने लगे। कुछ घंटों की मेहनत के बाद पानी का बहाव रुका। सूरज निकला, गाँव बच गया। लोग खुश थे कि संकट में सभी ने मिलकर साथ दिया।

'सच है, मिलकर रहो तो कोई भी आफ़त हरा नहीं सकती'

अथवा

प्रेषक: bhavya@email.com

प्राप्तकर्ता: afs@gmail.com

Cc .....

Bcc .....

विषय—अनधिकृत दुकानों के निर्माण की शिकायत हेतु

जिलाधिकारी महोदय,

नम्र निवेदन है कि मैं प्रेरक, नंदानगर, का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में अनधिकृत रूप से दुकानें बनाई जा रही हैं, जिससे सार्वजनिक स्थान संकुचित हो रहा है और यातायात बाधित हो रहा हैं इसके कारण न केवल आने-जाने में परेशानी हो रही है, बल्कि सुरक्षा चिंताएँ भी बढ़ रही हैं।

कृपया शीघ्र इस समस्या का संज्ञान लें और आवश्यक कारवाई करें, ताकि अवैध निर्माण को रोका जा सके और आम नागरिकों को असुविधा न हो। आशा है कि आप त्वरित कारवाई करेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय

प्रेरक

Outside Delhi Set-3 **कोड-4/6/3**

खंड-'ख'
(व्यावहारिक व्याकरण)

16 अंक

3. (i) मारवाड़ी बालिका विद्यालय की लड़कियों।

व्याख्या—प्रश्न में प्रयुक्त ये सभी पद किसी संज्ञा को ही स्पष्ट कर रहे हैं।

(ii) उतर रहे थे।

व्याख्या—उतर रहे थे—क्रिया है तथा जहाँ एक से अधिक पद क्रिया का काम करते हैं, वहाँ वे क्रिया पदबंध होता है।

(iii) ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा।

व्याख्या—फहराया जाएगा—क्रिया की विशेषता बतलाने के कारण प्रश्न में प्रयुक्त में समस्त पद क्रिया विशेषण पदबंध है।

(iv) रेखांकित पदबंध विशेषण पदबंध है।

व्याख्या—रेखांकित पदबंध लोग की विशेषता बतलाने के कारण विशेषण पदबंध है।

(v) क्रिया विशेषण पदबंध

व्याख्या—इस प्रश्न में लाठियाँ चलाने क्रिया की विशेषता प्रकट हो रही है मैदान के मोड़ पर पहुँचने से।

4. (i) उत्सव का मतलब लड़कियों को समझाया गया।

व्याख्या—सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक ही विधेय होता है, तथा इस वाक्य में ही ऐसा ही है।

(ii) सरल वाक्य।

व्याख्या—क्योंकि इस वाक्य में एक उद्देश्य और एक ही विधेय है।

(iii) वहाँ तताँरा रहता था और उसे निकाबारी बेहद प्रेम करते थे।

व्याख्या—यहाँ दो सरल वाक्य और अव्यय से संयुक्त हुआ है।

(iv) मिश्र वाक्य

व्याख्या—इस वाक्य में जब तभी प्रयुक्त हुआ है तथा एक निम्न वाक्य में एक सरल वाक्य तथा इसके आसित एक या अधिक आश्रित उपवाक्य होता है।

(v) जब ठीक चार बजे तब सुभाष बाबू का जुलूस मोनुमेंट पहुँच गया।

व्याख्या—किसी वाक्य में जब-तब का प्रयोग हो तो वो मिश्र वाक्य में बदला जाता है।

5. **(i)** शब्द से ही-अपादान तत्पुरुष है।

व्याख्या—इस समास का विग्रह विभक्ति चिन्ह् से द्वारा हुआ है, जो अपादान तत्पुरुष का चिन्ह् है।

(ii) यथाशक्ति अत्ययीभाव समास का उदाहरण है।

व्याख्या—इस समास में पहला पद 'यथा' लगा रहता है।

(iii) सात सिंधुओं का समूह

व्याख्या—'सप्त सिंधु' शब्द में पहला पद सप्त संख्या वाची विशेषता है, जिसका अर्थ सात है।

(iv) महात्मा—कर्मधारय समास

व्याख्या—'आत्मा' शब्द विशेष्य है तथा 'महान्' विशेषण है। अत: जिस समास में विशेष्य-विशेषण का सम्बन्ध हो, वह कर्मधारय समास होता है।

(v) विद्याधन

व्याख्या—इस शब्द का विग्रह करने पर दोनों शब्दों के बीच विशेष्य-विशेषण अथवा उपमान-उपमेय के मध्यरूपी है। अत: यह कर्मधारय समास है।

6. **(i)** आग-बबूला होना—शरारती छात्र को देखकर शिक्षक आग-बबूला हो गए।

(ii) कुम्भ में अपने खोए हुए पुत्र को पाकर माता की खुशी का ठिकाना न रहा।

(iii) सिर उठाना!

व्याख्या—रवि ने अपने पिता के विरोध में सिर उठाया

खंड–'घ'
(रचनात्मक लेखन)

22 अंक

12. **(i)** आज की पिकनिक में मज़ा आ गया।

सोचा भी न था कि पिकनिक में इतना मज़ा आएगा। इसका सारा श्रेय हमारे परम मित्र अर्णव को जाता है क्योंकि पिकनिक की सारी व्यवस्था उसने ही की थी।

अर्णव के अतिरिक्त हम चार मित्र इस पिकनिक में शामिल थे। हम पाँचों बड़ें ही मज़े के अन्ताक्षरी खेलते हुए खाना बना रहे थे। कि अचानक कुछ बच्चे के चीखने-चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी। हम लोग भी आवाज़ की दिशा में दौड़े। वहाँ जाने पर पता चला कि एक बच्चा पास की ही नदी में डूब गया है। उसे बचाने को लेकर बच्चें चीख रहे हैं लेकिन कोई बचा नहीं रहा है। तभी अर्णव में बिना सोचे नदी में छलांग लगाकर उसे बचा लिया और इस तरह हमारी पिकनिक एक यादगार पिकनिक बन गई।

अथवा

(ii) From: kumardivya@gmail.com

To: BankofIndia@gmail.com

विषय—बैंक खाते से सम्बन्धित सूचना मेल या फ़ोन से प्राप्ति हेतु।

मेरा नाम दिव्य है। मैं मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण, बिहार का निवासी हूँतथा आपके बैंक का एक ग्राहक भी हूँ। कुछ दिनों से मेरे बैंक खाते की जानकारी (जमा या निकासी) मेल या फ़ोन पर नहीं मिल रहा है। आप से अनुरोध है कि इस समस्या का यथोचित समाधान करा दें। इसके लिए मैं सदा आपना आभारी रहूँगा। खाता से सम्बन्धित जानकारी निम्नलिखित है।

खाता संख्या—52010164658

खाता धारक—दिव्य

सधन्यवाद

15. **(i)** सेवा में,

प्रधानाचार्य महोदय,

सरला, ब्रह्मा बाल विद्या मंदिर

मोतिहारी।

विषय—विद्यालय के पुस्तकालय में बाल साहित्य की पुस्तक मँगवाने हेतु।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में बाल साहित्य की पुस्तकों का अभाव है। बाल साहित्य न होने के कारण हम छात्रों को बाल साहित्य पढ़ने का नहीं मिल पाती। इस स्थिति में न हमारा मनोरंजन होता है और ना ही हमारा ज्ञान ही बढ़ पाता है।

अत: आपसे कर नम्र प्रार्थना है कि आप पुस्तकालय में बाल साहित्य की पुस्तकें मँगवाने की कृपा करें ताकि हम छात्रों को बाल साहित्य पढ़ने को मिल सके:

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी छात्र

अनुज कुमार

वर्ग—दस (अ)

क्रमांक—20

अथवा

(ii) अनुज कुमार

बेलबनवा

वार्ड-23, मोतिहारी

सेवा में,

बिजली अधिकारी,

उत्तर बिहार बिजली बोर्ड,

मोतिहारी।

दिनांक—5.3.2025

विषय—बिजली की कटौती से होने वाली परेशानी के निवारण हेतु प्रार्थना-पत्र।

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र में बिजली कटौती से होने वाली समस्याओं की ओर आकर्षित

करना चाहता हूँ। हमें परीक्षा की तैयारी के लिए दिन–रात पढ़ाई करनी पड़ती है। ऐसे में हमारे क्षेत्र में बिजली आती–जाती रहती है। कभी–कभी तो बिजली पूरा दिन नहीं होता है। गर्मी के मौसम में बिजली पूरा दिन नहीं होता है। गर्मी के मौसम में बिजली की आपूर्ति नियमित रूप से न होने के कारण हम लोग ढंग से पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। रात में भी ऐसी स्थिति होने पर हम लोगों की पढ़ाई पूर्णतया बाधित हो रही है तथा कुछ दिन बाद ही हमारी वार्षिक परीक्षा है। आपसे निवेदन है कि आप मेरी समस्या को ध्यान में रखते हुए बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित कराने की कृपा करें। इसके लिए मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।

भवदीय

अनुज कुमार

❑❑❑

OSWAAL 360